Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 197
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
रविवार,15 फरवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

4 पुलवामा हमले से उपजा राष्ट्रीय संकल्प

5 विंग्ड आईलाइनर लगाते समय इन 5 बातों का रखें

7 डोंट बी शाय से लेकर कुछ कुछ होता है ने

जंगल कौड़िया ब्लॉक में पुनर्निर्मित बीडीओ कार्यालय का सीएम ने किया उद्घाटन

नौकरी की गारंटी होगी वानिकी विश्वविद्यालय की डिग्री: योगी

लखनऊ,(संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कैम्पियरगंज में बनने जा रहे प्रदेश के पहले वानिकी एवं उद्यान विज्ञान विश्वविद्यालय फॉरेस्ट्री एंड हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी की डिग्री नौजवानों के लिए नौकरी की गारंटी होगी। विश्वविद्यालय से डिग्री और डिप्लोमा लेकर निकलने वाले युवाओं के लिए देश और दुनिया में रोजगार के व्यापक अवसर होंगे। विश्वविद्यालय अन्नदाता किसानों की आमदनी बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।सीएम योगी शनिवार को जंगल कौड़िया ब्लॉक में पुनर्निर्मित बीडीओ कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कैम्पियरगंज में बने गिद्धराज जटायु संरक्षण केंद्र का उल्लेख करते हुए कहा कि कृतज्ञता ज्ञापित करना हमारी भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है। हमारे लिए किसी ने कुछ किया तो उसके प्रति कृतज्ञ होना हमारी जीवनशैली का हिस्सा है। गिद्धराज जटायु की मानव जाति पर बड़ी कृपा रही। माता सीता का हरण कर ले जा रहे रावण का पहला प्रतिकार गिद्धराज जटायु ने किया था। वह सृष्टि के पालनकर्ता भगवान विष्णु की सवारी भी हैं। आज केमिकल और पेस्टिसाइड्स के इस्तेमाल के चलते गिद्धराज की संख्या कम होती जा रही, वे मर रहे हैं। ऐसे में गिद्धराज के प्रति कृतज्ञता जताने और उनको संरक्षण देने के लिए कैम्पियरगंज में संरक्षण केंद्र बनाया गया।मुख्यमंत्री ने कहा कि अब कैम्पियरगंज में प्रदेश का पहला वानिकी एवं उद्यान विज्ञान विश्वविद्यालय बनाया जाएगा। यहां युवाओं को जो डिप्लोमा व डिग्री मिलेगी, वह देश-दुनिया में नौकरी की गारंटी वाली होगी। आज दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती पर्यावरण प्रदूषण की है। वायु प्रदूषण से फेफड़े खराब होंगे और धीरे-धीरे पूरा शरीर खराब हो जाएगा। जब प्रदूषण नहीं होगा तो बीमारी भी नहीं होगी। उन्होंने वायु प्रदूषण को लेकर दिल्ली की चर्चा करते हुए कहा कि वहां डॉक्टर दमा रोगियों, बुजुर्गों और बच्चों को घर से बाहर न निकलने की सलाह देते हैं। यह स्थिति पर्यावरण के साथ खिलवाड़ से बनती है। उत्तर प्रदेश में विकास भी है और दमघोंटू वातावरण से मुक्ति भी। कैम्पियरगंज में वानिकी विश्वविद्यालय पर्यावरण की चुनौतियों से निपटने में और कारगर सिद्ध होगा। वनाच्छादन बढ़ाने और किसानों की आमदनी में वृद्धि का भी नया प्रयास होगा। मुख्यमंत्री ने 2017 के बाद प्रदेश और गोरखपुर के विकास की चर्चा करते हुए कहा कि जब नीयत साफ हो तो परिणाम अपने आप आ जाते हैं। अच्छी दिशा में किए गए प्रयास से आज गोरखपुर में खाद कारखाना चालू हो चुका है। गोरखपुर में एम्स सेवाएं दे रहा है, बीआरडी मेडिकल कॉलेज चिकित्सा का उत्कृष्ट केंद्र बन चुका है। पिपराइच में चीनी मिल दोबारा चालू हो गई है। धुरियापार में कम्प्रेस्ड बायो गैस का प्लांट लग चुका है। गीडा में उद्योग ही उद्योग नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि गोरखपुर और प्रदेश में विकास के बहुत बड़े-बड़े कार्य हो रहे हैं। विकास की सोच ही वर्तमान और भावी पीढ़ी के भविष्य को उज्ज्वल बनाने में सहायक होगी मुख्यमंत्री ने जंगल कौड़िया ब्लॉक के हर गांव से जुड़ाव का जिक्र किया। वह यहां एक-एक गांव गए हैं। हर गांव की समस्या जानते हैं, समस्या समाधान के लिए संघर्ष किया है। बाढ़ की स्थिति में पानी में घुसकर लोगों तक पहुंचे हैं। समस्याओं की तस्वीर पहले से सामने थी तो लखनऊ से उन समस्याओं का समाधान करा दिया है। जंगल कौड़िया ब्लॉक व कैम्पियरगंज विधानसभा क्षेत्र में आज विकास की जो स्थिति है, वह लोगों की कल्पनाओं से भी परे है। कालेसर-जंगल कौड़िया बाईपास बन जाने से लोग सीधे लखनऊ पहुंच जाते हैं, वह भी सिर्फ तीन-साढ़े तीन घंटे में। चिउटहा से कुशीनगर जाने में सिर्फ आधा घंटा लगता है। क्षेत्र की हर प्रमुख सड़क फोरलेन हो गई है। बाढ़ की समस्या का स्थायी समाधान हो रहा है।

नोएडा मेट्रो विस्तार को मोदी कैबिनेट ने दी मंजूरी

बॉटेनिकल गार्डन बनेगा बड़ा इंटरचेंज, मार्च 2026 से शुरू होगा काम

नई दिल्ली। सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी से सटे नोएडा में बॉटनिकल गार्डन से नोएडा सेक्टर 142 तक मेट्रो के 11.56 किलोमीटर लंबे विस्तारित गलियारे को मंजूरी प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में यहां शुक्रवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस योजना को मंजूरी प्रदान की गयी, जिसकी जानकारी सूचना एवं प्रसारण तथा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को दी। वैष्णव ने मंत्रिमंडल की बैठक में लिये गये फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि मंत्रिमंडल ने नोएडा मेट्रो रेल परियोजना के बॉटनिकल गार्डन से नोएडा सेक्टर 142 तक विस्तारित गलियारे को मंजूरी दी है। यह गलियारा 11.56 किलोमीटर लंबा होगा और इसमें आठ एलिवेटेड स्टेशन होंगे। इस गलियारे के चालू होने पर नोएडा और ग्रेटर नोएडा में सक्रिय मेट्रो रेल नेटवर्क 61.62 किमी का हो जाएगा। उन्होंने बताया कि इस गलियारे का निर्माण यहां के अवसंरचना विकास में एक बड़ी तरक्की है और शहर में मेट्रो रेल नेटवर्क के बड़े विस्तार के तौर पर काम करेगा। उन्होंने बताया कि नयी योजना पूरी होने से सार्वजनिक परिवहन में काफी सुधार होगा। अभी जहां भी अच्छे सम्पर्क की कमी है उसमें सुधार होगा और ज्यादा मांग वाले गलियारे के साथ सीधा सम्पर्क स्थापित करेगा। वैष्णव ने बताया कि इसका मकसद नोएडा के खास क्षेत्र को जोड़ना है।

सार संक्षेप

मुंबई में निमार्णाधीन मेट्रो लाइन का गिरा स्लैब, एक व्यक्ति की मौत

मुंबई। मुंबई के मुलुंड इलाके में शनिवार दोपहर निमार्णाधीन मेट्रो रेल लाइन-चार के पुल का स्लैब कुछ वाहनों पर गिर गया, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस और स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दोपहर बाद एलबीएस रोड पर जॉनसन एंड जॉनसन फैक्टरी के पास गर्डर पुल की पैरापेट दीवार का एक स्लैब एक ऑटो रिक्शा और स्कोडा कार पर गिर गया, जिससे दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। दमकल विभाग के अधिकारी ने मृतक की पहचान रामधन यादव और घायलों की पहचान राजकुमार इंद्रजीत यादव (45), महेंद्र प्रताप यादव (52) और दीपा रुहिया (40) के रूप में की। अधिकारियों ने बताया कि राजकुमार की हालत गंभीर है और उसे पास के अस्पताल के गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती कराया गया है, जबकि महेंद्र व दीपा की स्थिति स्थिर बताई गई है। मुंबई महानगर क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण ने बताया कि दोपहर 12 बजकर 15 मिनट पर पियर-196 के पास, मुलुंड दमकल केंद्र के नजदीक दीवार का एक हिस्सा वहां से गुजर रहे ऑटो रिक्शा पर गिर गया। मेट्रो परियोजना की टीम बृहमुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) और आपदा प्रबंधन अधिकारियों के साथ मिलकर राहत कार्यों में जुटी है। इस हिस्से के ढहने के सटीक कारण का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

कांग्रेस ने पीएम मोदी के लिए बुक किया हवाई टिकट, कहा, मणिपुर लोग कर रहे इंतजार

नई दिल्ली। असम के दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कांग्रेस ने तीखा हमला बोला है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बेहद व्यंग्यात्मक पोस्ट साझा करते हुए प्रधानमंत्री से हिंसा प्रभावित मणिपुर जाने की अपील की है। एक्स पर एक पोस्ट में, खेड़ा ने तंज कसते हुए कहा, ष्चुनाव वाले राज्य हमेशा आपकी सर्वोच्च प्राथमिकता होते हैं, लेकिन मणिपुर को छोड़ा नहीं जाना चाहिए। राज्य 2023 से जल रहा है, और अब फिर से जल रहा है। खेड़ा ने दोनों राज्यों के बीच कम दूरी की तरफ इशारा करते हुए लिखा, आप आज असम में हैं। मणिपुर यहां से सिर्फ एक घंटे की दूरी पर है। कृपया वहां भी जाइए। प्रधानमंत्री की उपस्थिति मणिपुर के लोगों को आश्वस्त करने में बहुत मददगार साबित हो सकती है। कांग्रेस नेता ने फ्लाइट टिकट की फोटो साझा करते हुए लिखा, आपकी आसानी के लिए हमने गुवाहाटी से इम्फाल का टिकट बुक कर दिया है।

असम में गरजे पीएम मोदी

माओवादी मुस्लिम लीग बन गयी है कांग्रेस

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पार्टी को भारत का बुरा चाहने वाली और आतंकी सोच रखने वालों के साथ चलने वाली पार्टी बताते हुए उसकी तीखी आलोचना की और कहा कि यह भारत को एक राष्ट्र मानने से इनकार करती है, इससे राष्ट्र के भले की उम्मीद नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि जो पार्टी देश को एक राष्ट्र मानने से परहेज करे, माँ भारती के प्रति सम्मान न दिखाए वह देश का भला नहीं कर सकती। वह विधानसभा चुनावों के मूड में चल रहे असम के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकताओं की एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने विपक्षी दल पर असम में केवल तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति करते तथा विकास और शांति की उपेक्षा करने के भी आरोप लगाये। प्रधानमंत्री ने भाजपा कार्यकताओं को इस अवसर पर पुलवामा (कश्मीर) आतंकवादी हमले की बरसी की याद दिलाते हुए उस हमले में जान गंवाने वाले जवानों को नमन किया। उन्होंने कहा कि पुलवामा के बाद भारत ने जिस तरह आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई की उसे दुनिया ने देखा है। कुछ लोग भारत की कार्रवाई से आज भी कांप रहे हैं। माँ भारती की शक्ति को आप ने ऑपरेशन सिंदूर में भी देखा। प्रधानमंत्री ने इसी संदर्भ में राष्ट्र और आतंकवाद के प्रति कांग्रेस की कथित कमजोरियों का जिक्र किया और सवाल किया, क्या कांग्रेस में देश हित के लिए इस तरह के फैसले करने की ताकत है? उन्होंने कहा कि कांग्रेस ऐसे मौकों पर ज्यादा से ज्यादा एक बयान दे सकती है ।श्री मोदी ने कहा, जो कांग्रेस भारत को राष्ट्र मानने से भी इनकार करती हो...जो सवाल करते हैं कि मां भारती क्या होती है, जो मॉ भारती के प्रति जरा सा सम्मान नहीं दिखाते... वह कांग्रेस कभी भारत का भला नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश की सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं दी, उसके समय में पूरा पूर्वोत्तर डर और असुरक्षा में जीता रहा। कांग्रेस ने सुरक्षा के लिए कुछ खरीदा तो , उसमें भी घोटाले किये गये। प्रधानमंत्री ने सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा और विकास की दृष्टि से सड़कों, सुरंगों हवाई पट्टियों और अन्य सुविधाओं के विकास के लिए अपनी सरकार की प्राथमिकताओं का उल्लेख किया और कहा कि भारत सीमाओं की सुरक्षा बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा ,यह सब देख कर कांग्रेस बौखलाई हुई है, उसे लगता है मोदी यह सब कैसे कर लेता है। उसे रात में नींद नहीं आती और वह दिन में कुछ भी बोले जा रही है। आज कांग्रेस हर उस विचारधारा के साथ है जो भारत का बुरा चाहते हैं, जो भारत को टुकड़े टुकड़े करने का नारा लगाते हैं, जो पूर्वोत्तर को भारत से अलग करना चाहते हैं, उन्हें कांग्रेस अपने कंधे पर पर बिठाती है। मोदी ने कहा, कांग्रेस एमएमसी (माओवादी मुस्लिम लीग) बन गयी है। उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकताओं को यह संदेश असम की जनता (मतदाताओं) तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि असम के विकास में महान नदी ब्रह्मपुत्र की बड़ी भूमिका है ।

बांग्लादेश में नयी सरकार बनने के बाद भारत के साथ संबंध बेहतर होने की उम्मीद: उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को उम्मीद जताई कि बांग्लादेश में नयी सरकार बनने के बाद भारत के उसके साथ संबंध बेहतर होंगे। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों में स्थिरता से भारत को लाभ होगा। श्रीनगर में शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित वार्षिक एग्रीटेक महोत्सव गोंगुल के उद्घाटन के बाद पत्रकारों से बातचीत में अब्दुल्ला ने कहा, हमारे पड़ोसी देश जितने अधिक स्थिर होंगे, उतना ही हमें फायदा होगा। कोई भी देश युद्ध या अपने किसी पड़ोसी देश को अस्थिर नहीं देखना चाहता फिर चाहे वह बांग्लादेश हो, श्रीलंका, नेपाल या कोई अन्य देश हो। उन्होंने कहा कि भारत चाहता है कि बांग्लादेश में लोकतंत्र कायम रहे और वह स्थिर तथा समृद्ध बने। अब्दुल्ला ने कहा हमें उम्मीद है कि वहां सरकार गठन के बाद दोनों देशों के रिश्ते सुधरेंगे, जिनमें कुछ कड़वाहट आ गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों की मदद से किसानों तक प्रौद्योगिकी आधारित जैविक समाधान पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कृषि को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने कहा, लाखों लोग इस महोत्सव में आ रहे हैं और इसका लाभ उठा रहे हैं। यदि व्यापार समझौते के बाद हमें अमेरिका जैसे देशों से प्रतिस्पर्धा करनी है और उनका कृषि उत्पाद हमारे बाजार में आएगा, तो हमें अपनी उत्पादकता और गुणवत्ता बढ़ानी होगी। इस दिशा में यह महोत्सव महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कार के अंदर युवक-युवती के शव मिलने से हड़कंप, प्रेम प्रसंग में आत्महत्या की आशंका

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा सेक्टर-39 थाना के अंतर्गत सेक्टर 107, दादरी रोड पिलर नंबर 84 के पास शनिवार को एक कार से युवक और युवती के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर सेक्टर-39 की थाना पुलिस और निरीक्षण टीम मौके पर पहुंची और कार का निरीक्षण किया। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए कहा कि सेक्टर 39 थाना पुलिस को सूचना मिली कि कार सड़क किनारे खड़ी है जो अंदर से लॉक है और वाहन के भीतर युवक और युवती के सिर में गोली लगी है। जबकि युवक के हाथ में पिस्टल भी है। पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान सुमित (32) पुत्र राजवीर और रेखा (26) पुत्री देवचंद के रूप में हुई है। सुमित दिल्ली के त्रिलोकपुरी और रेखा नोएडा सेक्टर-101 सलारपुर की रहने वाली है। घटना की सूचना परिजनों को दे दी गई है। मौके पर पुलिस के उच्चाधिकारी और फोरेंसिक टीम ने पहुंचकर घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने कहा कि मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और अन्य आवश्यक कानूनी कार्रवाई जारी है। वहीं थाने पर पहुंचे मृतक के परिजनों का कहना है कि दोनों का प्रेम संबंध दस से पंद्रह साल का था दोनों के परिवारों को जानकारी थी पर अचानक ये खौफनाक कदम उठाने का क्या कारण है इसके लिए पुलिस से निष्पक्ष जांच के लिए आग्रह किया जाएगा।

भारत-अमेरिका व्यापार मुद्दे पर निशिकांत दुबे ने दी राहुल गांधी को खुली बहस की चुनौती

नई दिल्ली/रांची। भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों, कपास आयात और उसके भारतीय किसानों व वस्त्र उद्योग पर प्रभाव को लेकर खुली सार्वजनिक बहस की चुनौती दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में निशिकांत दुबे ने राहुल गांधी द्वारा साझा किए गए एक वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए आरोप लगाया कि वह भारत-अमेरिका व्यापार और टैरिफ संरचना को लेकर ष्बड़ा झूठष् फैला रहे हैं। राहुल गांधी ने दावा किया था कि अमेरिकी बाजार में भारतीय परिधानों पर 18 प्रतिशत शुल्क लगता है, जबकि बांग्लादेश को शून्य शुल्क का लाभ मिलता है। उन्होंने इस मुद्दे को अमेरिका से कपास आयात से भी जोड़ा था। निशिकांत दुबे ने इन दावों को खारिज करते हुए आरोपों के तथ्यात्मक आधार पर सवाल उठाए और राहुल गांधी से अमेरिका से कपास आयात की वास्तविक आवश्यकता और उसके पैमाने को स्पष्ट करने को कहा। उन्होंने भारत में कपास उत्पादन, कपास किसानों की मौजूदा स्थिति, वस्त्र मिलों की हालत और व्यापक व्यापारिक वास्तविकताओं पर भी स्पष्टीकरण मांगा। भाजपा सांसद ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी का बयान भ्रम पैदा करने के उद्देश्य से दिया गया है और उन्होंने इसे ष्फर्जी नैरेटिव करार दिया। उन्होंने कथित बाहरी प्रभावों और वैचारिक संबंधों का भी उल्लेख करते हुए राहुल गांधी को ष्किसी भी मंच परष बहस के लिए चुनौती दी। यह बयान ऐसे समय आया है जब सत्तारूढ़ भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ा हुआ है। गौरतलब है कि निशिकांत दुबे ने हाल ही में लोकसभा में एक प्रस्ताव पेश कर अलग आरोपों के आधार पर श्री राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त करने की मांग भी की है, जिसमें उन्होंने 1978 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से जुड़े संसद के एक प्रकरण का हवाला दिया है।

कोलकाता एयरपोर्ट पर हड़कंप..

शिलॉन्ग जा रही फ्लाइट में बम की धमकी, टॉयलेट में मिला लेटर

कोलकाता। नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार सुबह सुरक्षा को लेकर बड़ा अलर्ट बज उठा। शिलॉन्ग जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6म्-7304 के लैवेटरी में एक हस्तलिखित नोट मिला, जिसमें दावा किया गया था कि विमान में बम लगा हुआ है। यात्रियों के बोर्डिंग से ठीक पहले यह खौफनाक खोज हुई, जिससे पूरे एयरपोर्ट पर तनाव का माहौल बन गया। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के मुताबिक, क्रू मेंबर ने यह नोट देखते ही तुरंत सुरक्षा एजेंसियों को सूचित कर दिया। सावधानी बरतते हुए फ्लाइट को आइसोलेशन बे में शिफ्ट कर दिया गया और स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) के तहत सभी जरूरी कदम उठाए गए। बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा टीमें अभी भी विमान की गहन जांच कर रही हैं। अब तक की प्रारंभिक तलाशी में कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली है। यात्रियों और क्रू मेंबर्स की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जांच जारी है, और सभी आवश्यक सतर्कताएं बरती जा रही हैं। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की धमकियां गंभीरता से ली जाती हैं, भले ही वे बाद में फर्जी साबित हों। फिलहाल फ्लाइट की उड़ान पर असर पड़ा है, और जांच पूरी होने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय होगी। यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर रखा गया है और उन्हें किसी भी असुविधा के लिए माफी मांगी जा रही है।

मोदी सरकार ने किसानों और कपड़ा उद्योग को नुकसान पहुंचाने वाला व्यापार समझौता किया: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि दूरदर्शी और राष्ट्रहित में सोचने वाली कोई सरकार अमेरिका के साथ ऐसा व्यापार समझौता करती जो कपास किसानों और कपड़ा निर्यात दोनों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करता, लेकिन मोदी सरकार ने इसके बिल्कुल उलट किया। उन्होंने यह दावा भी किया कि सरकार ने व्यापार समझौते के इन पहलुओं को छिपाया भी है। राहुल गांधी ने एक वीडियो जारी कर कहा, 18 प्रतिशत बनाम शून्य प्रतिशत शुल्क। झूठ बोलने में माहिर प्रधानमंत्री और उनकी कैबिनेट इस बारे में भ्रम फैला रही है। किस तरह से वे भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से देश के कपास उत्पादकों और वस्त्र निर्यातकों को धोखा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश को अमेरिका में वस्त्र निर्यात पर शून्य प्रतिशत शुल्क का फायदा दिया जा रहा है, शर्त बस इतनी है कि वे अमेरिकी कपास आयात करें। कांग्रेस नेता ने कहा, भारत के गारमेंट्स पर 18 प्रतिशत शुल्क की घोषणा के बाद जब मैंने संसद में बांग्लादेश को मिल रही खास रियायत पर सवाल उठाया, तब मोदी सरकार के मंत्री का जवाब आया कि अगर यही फायदा हमें भी चाहिए, तो अमेरिका से कपास मंगवानी होगी। उन्होंने सवाल किया कि आखिर ये बात देश से छुपाई क्यों गई? कांग्रेस नेता ने कहा, ये कैसी नीति है? क्या यह सचमुच में कोई विकल्प है - या फिर ष्आगे कुआं, पीछे खाईष् की हालत में फंसाने वाला जाल?ष् उन्होंने कहा, अगर हम अमेरिकी कपास मंगवाते हैं तो हमारे अपने किसान बर्बाद हो जाएंगे। अगर नहीं मंगवाते, तो हमारा कपड़ा उद्योग पिछड़कर तबाह हो जाएगा। अब बांग्लादेश यह संकेत दे रहा है कि वह भारत से कपास आयात भी कम या बंद कर सकता है। राहुल गांधी ने इस बात का उल्लेख किया कि भारत में कपड़ा उद्योग और कपास की खेती आजीविका की रीढ़ हैं और करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी इन्हीं पर टिकी है। उन्होंने कहा, इन क्षेत्रों पर चोट का मतलब है लाखों परिवारों को बेरोजगारी और आर्थिक संकट की खाई में धकेल देना। नेता प्रतिपक्ष ने कहा, एक दूरदर्शी और राष्ट्रहित में सोचने वाली सरकार ऐसा सौदा करती जिससे कपास किसानों और कपड़ा निर्यात - दोनों के हितों की रक्षा और समृद्धि सुनिश्चित होती।ष उन्होंने दावा किया, इसके ठीक उलट, नरेन्द्र सरेंडर मोदी और उनके मंत्रियों ने ऐसा समझौता किया है जो दोनों क्षेत्रों को गहरी चोट पहुंचाने वाला साबित हो सकता है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना अंतर्गत 267 जोड़ो को सामूहिक विवाह का मिला लाभ

सिद्धार्थनगर: जिले के बीएसए ग्राउंड में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही एवं जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन, सांसद डुमरियागंज प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल व अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सामूहिक विवाह का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, एवं जिलाधिकारी श शिवशरणप्पा जीएन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर सामूहिक विवाह कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही को बुकें देकर स्वागत किया गया। जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को बुकें देकर स्वागत किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के बगल खाली प्रागंण मे मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत कुल 358 जोड़ो में से 267 जोड़े सामूहिक विवाह कार्यक्रम में उपस्थित हुये। हिन्दू समुदाय के 195 जोड़ों, बौद्ध धर्म के 55 तथा मुस्लिम समुदाय के 17 जोड़ो का विवाह सम्पन्न हुआ। जिसमें हिन्दू, बौद्ध एवं मुस्लिम समुदाय के लोग सम्मिलित हुए। इस विवाह कार्यक्रम में हिन्दू परिवार के लोगो को पंडित द्वारा विवाह सम्पन्न कराया गया तथा मुस्लिम समुदाय के जोड़ों का निकाह मौलाना द्वारा निकाह पढ़कर शादी/विवाह का कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया तथा बौद्ध धर्म का उनके धमार्नुसार विवाह कराया गया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना कार्यक्रम हेतु सभी पंक्तियों के लिए प्रभारी अधिकारी नियुक्ति किये गये थे। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में विकास खण्ड नौगढ़, वर्डपुर, उस्का बाजार, लोटन, जोगिया, शोहरतगढ़ एवं बढ़नी तथा नगरीय क्षेत्र नौगढ़, उसका बाजार, कपिलवस्तु, शोहरतगढ़ एवं बढ़नी के जोड़े शामिल हुये। मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल ने सभी अधिकारियों एवं उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशन में एवं जिला प्रशासन के कुशल नेतृत्व में भव्य रूप से सामूहिक विवाह कार्यक्रम सम्पन्न हो रहा है। गरीब परिवारों के बेटियों को अपनी शादी धूमधान से होने की चिन्ता रहती है आज मुख्यमंत्री द्वारा उनकी चिन्ता को दूर करते हुये समान रूप से सामूहिक विवाह के माध्यम से भव्य रूप से करने का कार्य किया है। अब तक जनपद में कुल 6060 जोड़ों की शादी कराई जा चुकी है। आज जनपद के बीएसए ग्राउण्ड में 267 बेटियों का कन्यादान हो रहा है। इस समारोह में जनप्रतिनिधिगण, जिला प्रशासन व वर वधू के माता पिता व परिवार के लोगों का आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। सभी नव दम्पति बेहतरीन तरीके से नई पारी की शुरूआत करें। सांसद ने शादी करने वाले सभी नवयुगल जोड़ों को जिला प्रशासन के माध्यम से नौकरी/प्लेसमेंट दिलाने की घोषणा किया गया। उन्होंने कहा कि शादी के बाद परिवार की जिम्मेदारी सम्हालने के लिए रोजगार की आवश्यकता होती है जो लोग उद्योग, कालानमक, कम्प्यूटर व अन्य क्षेत्रों में कार्य करना चाहते हैं उनको ऋण उपलब्ध कराकर स्वरोजगार से जोड़ा जायेगा। मा सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल द्वारा सभी नवयुगल जोड़ों को आशीर्वाद दिया गया। विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा सदैव गरीबों के लिए चिन्ता रहती है। गरीब परिवारों के लोगों को बेटियों की शादी की चिन्ता रहती है इसलिए मुख्यमंत्री जी द्वारा गरीब परिवारों के बेटियों की शादी के लिए सभी जिलों में सामूहिक विवाह के माध्यम से शादी कराया जा रहा है और उनको नई पारी की शुरूआत के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराया जा रहा है। भारत सरकार/उ0प्र0 सरकार द्वारा अन्तिम लाइन में खड़े गरीब परिवारों को आवास, निःशुल्क खाद्यान्न, गैस सिलिण्डर आदि उपलब्ध कराकर लाभान्वित किया जा रहा है। प्रदेश सरकार महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है। सभी जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया गया। मा0 सांसद डुमरियागंज प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा सामूहिक विवाह के माध्यम से गरीब परिवार के बेटियों की शादी कराना सराहनीय कार्य है। मा0 मुख्यमंत्री जी गरीबों को समानता की श्रेणी में लाने के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित किया जा रहा है। इसका परिणाम है कि आज इतनी बड़ी संख्या में गरीब परिवारों की बेटियों की शादी सम्पन्न हो रही है। सभी नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया गया। जिलाधिकारी श शिवशरणप्पा जीएन ने कहा कि प्रत्येक जोड़े के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से 60000 दिया जा रहा है तथा 25000 का सामान भी दिया गया है तथा 15000 बारात के स्वागत पर व्यय किया गया है। जिलाधिकारी द्वारा सभी नवयुगल जोड़ों को आशीर्वाद दिया गया। मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, एवं जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन, सांसद डुमरियागंज प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल द्वारा मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह योजनान्तर्गत नव विवाहित जोड़ों को 05 साड़ी ब्लाउज सहित (प्रत्येक 5.50 मीटर), 05 पेटीकोट, चुनरी कढ़ाईयुक्त, पैंट का कपड़ा 1.20 मी0, शर्ट का कपड़ा 2.25 मी0 उत्तम गुणवत्ता की, गमछा, चांदी का पायल (एक जोड़ी), बिछियां, डिनर सेट (स्टेनलेसस्टील का), बर्तनः- 01 नग कूकर 05 लीटर, ट्राली बैग, दीवाल घड़ी, कड़ाही, वैनिटी किट, सीलिंग फैन, कूल केज 10 लीटर, प्रेस, डबल वेड चादर, तकिया कवर, कम्बल 02 अद्द, गद्दा 02 अद्द, तकिया 02 नग, सिंहोरा, चूड़ी 02 दर्जन, कंगन 04 नग, लडडू 05 किलो, वर वधू को 500 ग्राम बादाम, 250 ग्राम अखरोट, 250 ग्राम मखाना, 500 ग्राम किशमिश, सूखा नारियल दिया गया। प्रत्येक बधू के खाते में धनराशि रू0 60000.00 डी0बी0टी0 के माध्यम से दिया गया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में उपरोक्त के अतिरिक्त अध्यक्ष नगर पंचायत उसका बाजार, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 गौरव श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार, उपजिलाधिकारी नौगढ़ कल्याण सिंह मौर्य, परियोजना निदेशक नागेनद्र मोहन राम त्रिपाठी, जिला विकास अधिकारी राजमणि वर्मा, डी0सी0 मनरेगा संदीप सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी महिपाल सिंह, सम्बंधित खण्ड विकास अधिकारी व अधिशासी अधिकारी अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस ने महिला अपराध से बचने के लिए महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

सिद्धार्थनगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं के सुरक्षा एवं जागरूकता अभियानर के संबंध में दिए गए निर्देश के क्रम में प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व

मयंक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह थाना शोहरतगढ के निर्देशन में मिशन शक्ति टीम द्वारा थानाक्षेत्र के बाणगंगा के पास मौजूद महिलाओं व बालिकाओं को मिशन शक्ति, नये कानून व साइबर सुरक्षा के संबंध मे जागरुक किया गया तथा खुद के साथ होने वाले अपराध से बचने के बारे मे जानकारी दी गयी दहेज उत्पीड़न पॉक्सो एक्ट महिला संबन्धित मुकदमों में पीड़िताओं की काउंसलिंग की गई तथा मिशन शक्ति 5.0 स्टीकर भी चस्पा किया गया । मा0 मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र जहां पर अपनी समस्या को दर्ज करा सकती हैं के बारे में जानकारी दी गई तथा मिशन शक्ति फेज 5.0 के विषय मे महिलाओं को महिला सम्वन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी गई ।

महिला अपराध से बचने के लिए पुलिस ने स्कूली छात्र-/छात्राओं को किया जागरूक

सिद्धार्थनगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिला सशक्तिकरण ,एंटी रोमियो व महिलाओं के सुरक्षा एवं

जागरूकता अभियानर के संबंध में दिए गए निर्देश के क्रम में व प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व पवीन प्रकाश क्षेत्राधिकारी इटवा के कुशल पर्यवेक्षण में रामदेव थानाध्यक्ष गोल्हौरा के नेतृत्व में थाना गोल्हौरा मिशन शक्ति टीम उप निरीक्षक दीनदयाल सिंह, हेड कांस्टेबल विनोद कुमार एवं महिला कांस्टेबल चांदनी मिश्रा द्वारा थाना क्षेत्र के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर एण्टीरोमियो चेकिंग किया गया व कंपोजिट विद्यालय गोल्हौरा में जाकर छात्र/छात्राओं को जागरुक किया गया तथा महिला सुरक्षा, गुड टच, बैड टच व साइबर सुरक्षा से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गयी तथा हेल्पलाईन नं0 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर क्राइम हेल्प लाइन के सम्वन्ध में जानकारी दी गयी।

महिला अपराध से बचने के लिए पुलिस ने स्कूली छात्र-छात्राओं में पम्पलेट वितरित किया

सिद्धार्थनगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी इटवा पवीन प्रकाश तथा प्रभारी निरीक्षक राजेश तिवारी थाना मिश्रौलिया के कुशल नेतृत्व में थाना मिश्रौलिया मिशन शक्ति

टीम उप निरीक्षक राज कुमार, महिला कांस्टेबल नीलम द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के अन्तर्गत थाना क्षेत्र के जुनेरा पब्लिक स्कूल मधवापुर कलां मे जाकर छात्र/छात्राओं और महिलाओं को एकत्रित करके मिशन शक्ति 5.0 के सम्बन्ध में जाकर बालिकाओं को मिशन शक्ति के तहत सरकार के विभिन्न सरकारी योजनाओं तथा महिला सम्बन्धित नये कानून व महिला सम्बन्धित अपराध, बहू बेटी कार्यक्रम तथा साइबर अपराध जागरूकता कार्यक्रम के तहत उपस्थित उपरोक्त महिला सशक्तिकरण सम्बन्धित बातों को बताते हुए मिशन शक्ति फेज 5.0* कार्यक्रम के अंतर्गत निम्न हेल्पलाइन नंबर, महिला से सम्बन्धित कानून व नए कानून के बारे मे जानकारी दी गई तथा वहां उपस्थित बालिकाओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त किये गये कल्याणकारी योजनाओं व विधियों के तहत जागरुक किया गया। महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112,108,102 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, व पुरुषों को एकत्रित करके साइबर अपराध के बारे व 1930 साइबर क्राइम हेल्प लाइन के बारे मे जागरुक किया गया।

मिशन शक्ति केंद्र पर पति-पत्नी के पारिवारिक विवाद को पुलिस ने सुलझाया

सिद्धार्थनगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के क्रम मे एवं प्रशान्त कुमार प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल पर्यवेक्षण व मयंक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ के निर्देशन में अभय सिंह थानाध्यक्ष के नेतृत्व में आवेदिका श्रीमती सीमा पत्नी बेलाश ग्राम बजराभारी थाना कठेला समय माता द्वारा शिकायत किया गया था कि आवेदिका श्रीमती सीमा व उनके पति बेलाश के बीच कुछ कहा-सुनी हुआ था जिससे पति पत्नी के मध्य मनमुटाव हो गया था उभय पक्षों की मिशन शक्ति टीम हेड कांस्टेबल कमलेश यादव, कॉस्टेबल राजेश यादव, महिला कांस्टेबल करिश्मा, महिला कांस्टेबल रितिका त्रिपाठी द्वारा काउंसलिंग की गई दोनो पक्षो (पति-पत्नी) को उनके आपसी रिश्तों एंव बच्चे के प्रति उनके दायित्वों व पारिवारिक कर्तव्यों के बारे में अवगत कराया गया जिससे दोनो पक्ष (पति-पत्नी) राजी-खुशी से साथ रहने के लिये तैयार हुए । अब दोनों पक्षों के मध्य कोई विवाद नही है । पति-पत्नी जोड़े को सकुशल एक साथ राजी-खुशी घर भेज दिया गया । उक्त पुलिस कार्यवाही की आम जनमानस द्वारा सरहाना की गयी ।

गांव पहुंचे पर ग्रामीणों ने मुंबई के नगर सेवक का फूलमालाओं से किया स्वागत

सिद्धार्थनगर जनपद के बांसी विधानसभा क्षेत्र के बेलगड़ा गांव निवासी अरशद चौधरी मुंबई के वसई- विरार वार्ड संख्या 19 से नगर सेवक का चुनाव जितने के बाद गांव पहुंचने पर गांव वालों ने पटाखा

फोड़कर, फूल माला पहनकर, मिठाई खिलाकर गाजे बाजे के साथ स्वागत किया।अरशद चौधरी मुंबई से चुनाव जीतने के बाद प्रथम आगमन पर गांव में खुशी की लहर और ग्रामीणों ने अपने नेता को पाकर खुशी जाहिर की। 14 वर्ष पूर्व अरशद चौधरी के पिता जान मोहम्मद रोजी-रोटी की तलाश में मुंबई निकले थे जान मोहम्मद के दो बेटे और चार बेटियों में चौथे नंबर पर अरशद चौधरी रहे। गांव से जमीनी नाता होने के नाते अरशद चौधरी गांव से अपना लगाव रखने में पीछे नहीं रहे। उन्होंने गांव के ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं अपने गांव की तरक्की और विकास के लिए हर संभव मदद करता रहूंगा। वैसे भी इनके गांव लोग मुंबई में अपनी रोजी-रोटी कमा रहे हैं। अरशद चौधरी की शादी बस्ती जनपद के तिवरा गांव में हुई थी।इनके पास दो संताने हैं एक लड़का और एक लड़की है ।राजनीति में सक्रिय होने के साथ-साथ मुंबई के नालासोपारा में गरीबों की मदद, बेसहारा को आवास,बिजली पानी जैसी समस्याओं को हमेशा जनता के बीच रहते थे। उसी का परिणाम रहा कि आज बहुजन विकास आघाड़ी पार्टी ने टिकट दिया और जनता ने मुझे नगरसेवक का बना दिया। इस खुशी के मौके पर सहबान,तुफैल,पवन सिंह उर्फ टीटी,आदर्श चौधरी,कल्लू पांडे,हारून,रजा हुसैन,अहमद रजा, अख्तर हुसैन, शोहराब अली, अतहर आदि ने स्वागत किया।

साधारण द्वितीय श्रेणी के 06 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 16 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा हेतु आगामी होली पर्व पर यात्रियों की मांग पर 04060/04059 नई दिल्ली-सुपौल-नई दिल्ली वाया गोरखपुर होली विशेष गाड़ी का संचलन नई दिल्ली से 20 फरवरी से 06 मार्च,2026 तक तथा सुपौल से 22 फरवरी से 08 मार्च,2026 तक 15 फेरों के लिये प्रतिदिन निम्नवत किया जायेगा। 04060 नई दिल्ली-सुपौल होली विशेष 20 फरवरी से 06 मार्च,2026 तक प्रतिदिन नई दिल्ली से 21.35 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 22.15 बजे, दूसरे दिन अलीगढ़ से 00.40 बजे, टुण्डला से 03.22 बजे, इटावा से 04.40 बजे, कानपुर सेण्ट्रल से 07.55 बजे, उन्नाव से 08.25 बजे, ऐशबाग से 09.50 बजे, बादशाहनगर से 10.10 बजे, बाराबंकी से 10.55 बजे, गोण्डा से 12.30 बजे, बस्ती से 13.45 बजे, खलीलाबाद से 14.10 बजे, गोरखपुर से 15.40 बजे, देवरिया सदर से 16.40 बजे, सीवान से 17.45 बजे, छपरा से 19.25 बजे, सोनपुर से 20.52 बजे, हाजीपुर से 21.07 बजे, शाहपुर पटोरी से 22.02 बजे, तीसरे दिन बरौनी से 00.25 बजे, बेगूसराय से 00.45 बजे, खगड़िया से 01.30 बजे, मानसी से 01.47 बजे, सिमरी बख्तियारपुर से 02.25 बजे तथा सहरसा से 02.55 बजे छूटकर सुपौल 04.00 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 04059 सुपौल-नई दिल्ली होली विशेष गाड़ी 22 फरवरी से 08 मार्च,2026 तक प्रतिदिन सुपौल से 07.00 बजे प्रस्थान कर सहरसा से 08.10 बजे, सिमरी बख्तियारपुर से 08.30 बजे, मानसी से 09.55 बजे, खगड़िया से 10.07 बजे, बेगूसराय से 11.12 बजे, बरौनी से 12.20 बजे, शाहपुर पटोरी से 13.12 बजे, हाजीपुर से 14.40 बजे, सोनपुर से 14.52 बजे, छपरा से 17.20 बजे, सीवान से 18.20 बजे, देवरिया सदर से 19.30 बजे, गोरखपुर से 21.10 बजे, खलीलाबाद से 21.55 बजे, बस्ती से 22.30 बजे, दूसरे दिन गोण्डा से 00.30 बजे, बाराबंकी से 02.22 बजे, बादशाहनगर से 03.20 बजे, ऐशबाग से 04.50 बजे, उन्नाव से 06.12 बजे, कानपुर सेण्ट्रल से 07.15 बजे, इटावा से 08.55 बजे, टुण्डला से 10.25 बजे, अलीगढ़ से 11.42 बजे तथा गाजियाबाद से 15.13 बजे छूटकर नई दिल्ली 16.10 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 08, साधारण द्वितीय श्रेणी के 06 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 16 कोच लगाये जायेंगे।

मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को महिला सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

सिद्धार्थनगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर

पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी तथा थानाध्यक्ष नरायन लाल श्रीवास्तव थाना ढेबरुआ के उप निरीक्षक कुंज बिहारी तिवारी, हेड कांस्टेबल अमरेश पांडे, कांस्टेबल बृजेश गौतम, महिला कांस्टेबल मीरा रानी के नेतृत्व में मिशन शक्ति व साइबर क्राइम, मिशन शक्ति केंद्र, बहू बेटी सम्मेलन एवं नए कानून के संबंध के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत के ग्राम- ढेकहरी खुर्द में महिलाओं/बालिकाओं को महिला अपराध, साइबर अपराध व उससे बचाव के संबंध में जागरुक किया गया तथा महिला सशक्तिकरण संबंधी बातों को बताते हुए मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम के अंतर्गत निम्न हेल्पलाइन नंबर, कानूनों की जानकारी देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त किये गये अभियान* के तहत जागरुक किया गया महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु विभिन्न हेल्पलाइन नंबर- 112, पुलिस आपातकालीन सेवा 1090, वूमेन पावर हेल्पलाइन 1076, माननीय मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 108, एंबुलेंस सेवा 1930, साइबर अपराध हेल्पलाइन 1098, चाइल्ड हेल्पलाइन 102, स्वास्थ्य सेवा के बारे में जानकारी दी गई ।

शिक्षकों को ट्विटर पर सक्रिय होने का आह्वान, एकजुटता से लड़ाई लड़ने का संकल्प

सिद्धार्थनगर जिले के ब्लॉक संसाधन केंद्र शोहरतगढ़ के सभागार में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की ब्लॉक इकाई की बैठक ब्लॉक अध्यक्ष शोहरतगढ़ लालजी यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान तथा मांगों को लेकर सोशल मीडिया, विशेषकर ट्विटर अकाउंट पर सक्रिय होने का आह्वान किया गया।बैठक में संगठन की नीतियों और शिक्षकों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए सभी शिक्षकों से एकजुट रहने की अपील की गई। साथ ही समस्याओं का समाधान न होने पर एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष राधे रमण त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षकों को अपनी मांगों के लिए संगठित होकर आवाज बुलंद करनी होगी। उन्होंने संगठन

के आह्वान पर सभी शिक्षकों से ट्विटर अकाउंट पर सक्रिय होकर अपनी मांगों को उठाने की अपील की। उन्होंने वर्ष 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों में टीईटी को लेकर असमंजस और असुरक्षा की भावना का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश के लाखों शिक्षक अपनी समस्याओं को लेकर आंदोलनरत हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रही है। पुरानी पेंशन बहाली सहित अन्य मांगों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ दिनेश चन्द शर्मा के निर्देश पर समय आने पर व्यापक आंदोलन किया जाएगा। साथ ही उन्होंने शिक्षकों से अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करते हुए विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा देने का आह्वान किया।बैठक को संगठन के महामंत्री योगेंद्र प्रसाद पांडेय, जिला प्रचार मंत्री मुस्तन शेरुल्लाह सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी संबोधित किया।इस दौरान राधेरमण त्रिपाठी, योगेन्द्र प्रसाद पाण्डेय,मुस्तन शेरुल्लाह, लालजी यादव,सुशील कुमार सिंह, सुरेंद्र प्रसाद, ब्रह्मप्रकाश सिंह,मनोज कुमार यादव, रविन्द्र गौड़, कमलाकांत यादव, अनूप त्रिपाठी, रामाश्रय लाल, आशीष कुमार, मोहम्मद नैय्यर सिद्दीकी, जीत बहादुर चौधरी, कंवल भान सिंह पटेल, हरिराम, रश्मि शर्मा, विनीता गुप्ता, निर्मला, सपना रानी, इब्राहिम और अनुराग दीक्षित सहित अनेक शिक्षक मौजूद रहें।

सर्कुलर इकोनॉमी भविष्य की आवश्यकता: डा0 तनेजा

लखनऊ,। नवयुग कन्या महाविद्यालय राजेंद्र नगर के रसायन शास्त्र विभाग द्वारा महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय की अध्यक्षता में प्रबंधक विजय दयाल के संरक्षकत्व में रसायन शास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉक्टर नेहा अग्रवाल के संयोजकत्व में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन ब्रीजिंग डिसप्लींस थ्रू केमिकल साइंस फार ए सस्टेनेबल फ्यूचर- 2026 हाईब्रिड मोड से आयोजित हुआ। द्वितीय दिवस का प्रथम वर्चुअल सत्र डॉ नेहा अग्रवाल द्वारा संचालित हुआ इस सत्र में जर्मनी से प्रोफेसर मेरी गार्सन अध्यक्ष आई .पी.यू.ए.ने अपना व्याख्यान आनलाईन मोड से प्रस्तुत किया। द्वितीय प्लेनरी सत्र रहा जिसमें प्रमुख वक्ता डा अनिरुद्ध पाटिल, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय मुंबई,ने स्ट्रक्चरल री इंजीनियरिंग आफ मीशो कंपोजिट मैटीरियल फार सेंसर एप्लिकेशन विषय पर पावर प्वाइंट प्रस्तुति दी। प्रो० अजय विशेकर, डरबन साउथ अफ्रीका ने री ज्यूविनेशन आफ सेलूलाज बेस्ड इंसुलेटिंग पेपर यूस्ड इन हाई वोल्टेज पावर ट्रांसफार्मरस श्पर अपने विचार रखे।

गुरु तेग बहादुर की शहादत को किया याद

ग्वालियर। जीडी गोयनका स्कूल में गुरु तेगबहादुर की शहादत को याद करते हुए विरासत जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में साहस, त्याग और धार्मिक सहिष्णुता जैसे मूल्यों का विकाम करना था। कार्यक्रम में छात्रों को डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से उस ऐतिहासिक संदर्भ से अवगत कराया गया, जिसमें गुरु तेगबहादुर ने जबरन धर्म परिवर्तन का विरोध करते हुए शहादत स्वीकार की। इस मौके पर सरदार गोविंद सिंह, सरदार रमन सिंह डिन्नों, सरदार मनोहर सिंह आहूजा आदि उपस्थित रहे।

डॉ. जमाल को पद्मश्री दिलाने सिंधिया को सौंपा पत्र

ग्वालियर। जमनाबाई मेमोरियल ट्रस्ट के सचिव संजीव अग्रवाल कुक्कू ने केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को पत्र सौंपकर जीबी पंत अस्पताल नई दिल्ली के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. यूसूफ जमाल को पद्मश्री पुरस्कार दिलाए जाने की मांग की है। श्री अग्रवाल ने रेलवे स्टेशन पर श्री सिंधिया को पत्र सौंपा। श्री सिंधिया ने इस संबंध में पहल करने का आश्वासन दिया। उन्होंने सिंधिया से निवेदन किया कि जातिवाद से ऊपर उठकर डॉ. यूसुफ जमाल ने ग्वालियर का नाम पूरे देश में रोशन किया है। यदि आपके द्वारा प्रस्ताव बनाकर भेजा जाएगा तो ग्वालियर के लोगों का मान सम्मान बढ़ेगा। जब ग्वालियर के हॉस्पिटल हृदय रोगियों को दिल्ली के बड़े अस्पतालों के लिए रेफर कर देते हैं, ऐसे में डॉ. जमाल ही उन मरीजों को अपनी देखरेख में स्वस्थ करके ग्वालियर भेजते हैं।

तोमर ने दी श्रद्धांजलि

ग्वालियर। मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को पूर्व मंत्री स्व. तारा सिंह वियोगी के पुत्र गोपाल सिंह के निधन पर उनके निवास पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित की। तत्पश्चात क्षत्रिय महासभा पदाधिकारी जगदीश तोमर की माताजी श्रीमती विमला सिंह तोमर के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक व्यक्त करने वालों में प्रदेश कार्य समिति सदस्यगण अशोक जैन एवं अशोक जादौन,पूर्व पार्षद रिंकू परमार शामिल हैं । श्री तोमर 14 फरवरी को प्रात: 11:15 बजे 29 रेसकोर्स रोड पर केरल राज्य के जनप्रतिनिधियों के दल से भेंट करेंगे। दोपहर 1:30 बजे डबरा पहुंचकर नवग्रह शक्तिपीठ प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में सम्मिलित होंगे।

अशोक अध्यक्ष और राजेन्द्र सचिव बने

ग्वालियर। मधुर मराठी मंच की नवीन कार्यकारिणी का गठन शुक्रवार को हुआ। जिसमें अशोक शिरढोणकर अध्यक्ष, मोरेश्वर डोंगरे उपाध्यक्ष, राजेन्द्र टेम्बे सचिव, भारती वैशंपायन सह सचिव, सुभाष मोरगांवकर कोषाध्यक्ष, अरुण गिजरे व्यवस्था सहायक बने। कार्यकारिणी में वासवदत्ता अग्निहोत्री, हरि धारकर, दीपक बापट, हर्षा जोशी, विनिता मोघे, डॉ. सुभाष भालेराव, तारिणी पुरंदरे आदि शामिल रहे।

राज्य स्तरीय जनगणना प्रशिक्षण में ग्वालियर की तैयारियों की सराहना

ग्वालियर। मध्यप्रदेश में प्रस्तावित जनगणना की तैयारियों को लेकर भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कलेक्टर-कमिश्नर प्रशिक्षण सम्मेलन में ग्वालियर जिले के कार्यों की विशेष सराहना की गई। सम्मेलन में मुख्यमंत्री मोहन यादव, मुख्य सचिव अनुराग जैन तथा रजिस्ट्रार जनरल एवं जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण उपस्थित रहे।रजिस्ट्रार जनरल एवं मुख्य सचिव ने जिलाधीश रुचिका चौहान एवं नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय की प्रारंभिक तैयारियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ग्वालियर का अनुभव अन्य जिलों के लिए मार्गदर्शक बनेगा। जनगणना दो चरणों में संपन्न होगी। पहले चरण में मकानों की गणना तथा दूसरे चरण में व्यक्तियों की गणना की जाएगी। भारत की जनगणना विश्व का सबसे बड़ा प्रशासनिक अभियान है, जिसकी अधिसूचना 16 जून 2025 को जारी की जा चुकी है।

शोध को प्रयोगशाला से निकालकर समाज में पहुंचाने की आवश्यकता : प्रो. चंदेल

जीवाजी विवि में नैनोमैटेरियल्स पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

ग्वालियर

नैनोमैटेरियल्स आज प्रदूषण नियंत्रण के क्षेत्र में क्रांतिकारी भूमिका निभा रहे हैं। वायु, जल एवं मृदा प्रदूषण जैसी गंभीर वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए नैनो तकनीक एक प्रभावी, किफायती और टिकाऊ विकल्प के रूप में उभर रही है। विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों को उद्योगों के साथ समन्वय कर शोध को प्रयोगशालाओं से निकालकर समाज तक पहुंचाने की दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे।

यह बात शुक्रवार को कोटा विश्वविद्यालय की पूर्व कुलगुरू प्रो. नीलिमा सिंह चंदेल ने जीवाजी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ स्टडीज इन एनवायरनमेंटल केमिस्ट्री द्वारा प्रदूषण निवारण में नैनोमैटेरियल्स के उभरते रुझान विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि कही। एमिटी विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो.राजेश सिंह तोमर, प्रभारी कुलगुरू प्रो.जेएन गौतम, कुलसचिव डॉ.राजीव मिश्रा, प्रो.एसएन मोहापात्रा, डॉ.निमिषा जादौन मंचासीन रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित एमिटी विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो.राजेश सिंह तोमर ने कहा कि नैनोप्रौद्योगिकी ने पर्यावरण रसायन के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं। आज नैनोमैटेरियल्स के माध्यम से जल शोधन, विषैली गैसों का अवशोषण, भारी धातुओं का निष्कासन एवं अपशिष्ट प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हो रही है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रभारी कुलगुरू प्रो.जे.एन.गौतम ने युवाओं और शोधार्थियों से कहा कि नवाचार आधारित अनुसंधान को प्राथमिकता दें, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ देश की सतत विकास की अवधारणा को मजबूती मिल सके। कुलसचिव डॉ.राजीव मिश्रा ने कहा कि जीवाजी विश्वविद्यालय पर्यावरण संरक्षण और नवीन अनुसंधान को सदैव प्रोत्साहित करता रहा है। यह संगोष्ठी पीएम-उषा (प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान) के सहयोग से आयोजित की जा रही है। प्रो.एसएन मोहापात्रा ने स्वागत भाषण दिया। वहीं डॉ.निमिषा जादौन ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में 3 तकनीकी सत्र आयोजित किए गए जिसमें 35 से अधिक शोध पत्रों का वाचन किया गया।

आईटीएम की इबारत-18 में सजी अदबी महफिल

ग्वालियर

आईटीएम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित उर्दू कविता के वार्षिक प्रतिष्ठित आयोजन इबारत-18 में शेरो-सुखन की यादगार शाम सजी। नाद मुक्ताकाश में आयोजित इस कार्यक्रम में देश के प्रख्यात शायरों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

प्रो. वसीम बरेलवी ने लगता तो बेखबर सा हूं..., और आंखें गुनहगार थीं... जैसी पंक्तियों से खूब दाद बटोरी। खुशबीर सिंह शाद ने अब अंधेरे जो हम खौफजदा बैठे हैं..., प्रस्तुत कर वातावरण भावपूर्ण बना दिया। डॉ. नुसरत मेहदी ने डराओ मत हमें गहराइयों से तुम..., सुनाकर जोश भरा, वहीं पूजा भाटिया ने अपनी संवेदनशील रचनाओं से सराहना पाई। ग्वालियर के शायर मदन मोहन दानिश ने संयोजन-संचालन करते हुए प्रभावशाली प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में फाउंडर चांसलर रमाशंकर सिंह ने मीर तकी मीर की व्यापकता पर विचार रखे तथा स्वामी ओमा द अक्क का परिचय दिया। मंच पर चांसलर रुचि सिंह, प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान, वाइस चांसलर डॉ. योगेश उपाध्याय, रजिस्ट्रार डॉ. ओमवीर सिंह एवं डॉ. मनीष जैसल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बजरंग दल का निगम मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन

ग्वालियर। शहर में गौ-मांस प्रकरण और अवैध बूचड़खानों के विरोध में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को नगर निगम मुख्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। बाद में कार्यकर्ताओं ने अपर आयुक्त मुनिष सिंह सिकरवार को ज्ञापन सौंपा। प्रांत साप्ताहिक मिलन प्रमुख मनोज रजक ने बताया कि 9 फरवरी की रात झांसी रोड थाना क्षेत्र में पकड़े गए एक ट्रक में जांच के दौरान गौ-मांस के अवशेष मिलने से कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। प्रदर्शनकारियों ने निगम कमिश्नर के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शहर के सभी अवैध बूचड़खानों को तत्काल बंद करने, दोषियों पर एफआईआर दर्ज करने और संबंधित लाइसेंस निरस्त करने की मांग की। ज्ञापन में सेवा नगर क्षेत्र के अवैध बूचड़खानों को ध्वस्त करने, सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने तथा मृत गौवंश के सम्मानजनक अंतिम संस्कार के लिए उचित व्यवस्था करने की भी मांग की गई। बजरंग दल ने चेतावनी दी कि 7 दिन में कार्रवाई नहीं होने पर उग्र आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन में संगठन के अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिलाओं को उन्नत सिलाई प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित

ग्वालियर, न.सं.। प्रदेश की कौशल एवं तकनीकी विकास योजना के तहत अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं को उन्नत सिलाई प्रशिक्षण देने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के अंतर्गत स्व-सहायता समूह, उद्यमी, अशासकीय पंजीकृत संस्थाएं तथा निगम, बोर्ड एवं विभागीय प्रशिक्षण संस्थाएं आवेदन कर सकती हैं। सहायक संचालक हाथकरघा, ग्वालियर के अनुसार आवेदक संस्था को पिछले तीन वर्षों से हाथकरघा अथवा हस्तशिल्प के माध्यम से व्यवसाय में संलग्न होने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। इच्छुक संस्थाएं 21 फरवरी तक कार्यालयीन समय में आवेदन जमा कर सकती हैं।

चलती ट्रेन से गिरा यात्री, आरपीएफ ने पहुंचाया ट्रॉमा सेंटर

ग्वालियर

रेलवे स्टेशन पर ऑपरेशन सेवा के अंतर्गत रेल सुरक्षा बल की तत्परता से एक यात्री की जान बच गई। शुक्रवार की जब झेलम एक्सप्रेस प्लेटफार्म नंबर 2 पर शाम 5:6 बजे पहुंची और निर्धारित समय 5:09 बजे स्टेशन से रवाना हुई। तभी ट्रेन के कोच एस-3 में यात्रा कर रहा यात्री नितिन डालवाले (50 वर्ष) पुत्र उदय डालवाले, निवासी गणेश पैठ, धोबी गली, पुणे से कटरा की ओर जा रहा था। ग्वालियर स्टेशन पर वह खाने का सामान लेने के लिए ट्रेन से उतरा। इसी दौरान ट्रेन के चलने पर उसने वापस चढ़ने का प्रयास किया, लेकिन पैर फिसलने से वह प्लेटफार्म पर गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। यात्री को गिरता देख प्लेटफार्म ड्यूटी पर तैनात हेड कांस्टेबल महिपाल शर्मा, कांस्टेबल अनिल कुमार और कांस्टेबल रवि कुमार ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घायल यात्री को संभाला और प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराई। इसके बाद ऑन ड्यूटी डिप्टी स्टेशन अधीक्षक एसके सिंह को तत्काल सूचना दी गई। रेलवे प्रशासन द्वारा बिना विलंब किए 108 एंबुलेंस बुलवाई गई, जिसके माध्यम से घायल यात्री को जया रोग ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। घायल के साथ हेड कांस्टेबल महिपाल शर्मा भी अस्पताल पहुंचे। वहां डॉ. राहुल सिंह की निगरानी में घायल का उपचार जारी है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे चलती ट्रेन में चढ़ने या उतरने का प्रयास न करें और सुरक्षा नियमों का पालन करें। समय पर की गई कार्रवाई से एक बड़ी अनहोनी टल गई।

भगवान राम का निषादराज से मित्रता समरसता का प्रतीक: आशीष

ग्वालियर

देश में सामाजिक समरसता की स्थापना के लिए प्राचीन काल से धार्मिक अनुष्ठान होते आए हैं। इससे सामाजिक समरसता का प्रचार होता है। रामायण में भगवान श्री राम का निषादराज गुह के साथ मित्रता एक सुंदर उदाहरण है। वहीं वर्णित पक्षीराज जटायु का अंतिम संस्कार करना, वनराज सुग्रीव के साथ मित्रता स्थापित करना सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह बात भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य आशीष प्रताप सिंह राठौड़ ने वंशकार समाज उत्थान समिति के तत्वावधान में आयोजित सम्मेलन में मुख्य अतिथि की आसंदी से कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता ने कहा कि वंशकार समाज की बेटियों को ज्यादा से ज्यादा शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए, क्योंकि जब एक बेटी शिक्षित होती है तो पूरा परिवार सक्षम होता है। वरिष्ठ समाजसेवी गोविंद गुप्ता ने कहा कि सामाजिक एकता का अर्थ है कि धर्म, जाति, समाज, वर्ण से ऊपर उठकर एक साथ रहना। राजेश पुरोहित ने कहा कि समाज का कोई भी वर्ग दुर्बल या उपेक्षित हो तो उसकी उपयुक्त देखभाल कर राष्ट्र के मुख्य धारा में शामिल करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन धर्मेन्द्र सेंगर ने एवं आभार अमित अष्ठाना ने व्यक्त किया। इस मौके पर कई लोगों को सम्मान भी किया गया।

प्रकृति संरक्षण व इको-पर्यटन मार्गदर्शक प्रशिक्षण का शुभारंभ

ग्वालियर। भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान में शासन कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित प्रकृति संरक्षण सह इको-पर्यटन मार्गदर्शक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के प्रथम दिवस पर प्रतिभागियों को पर्यटन, मार्गदर्शन कौशल और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी गई। प्रथम सत्र में डॉ. आर. अभिलाष ने भारतीय पर्यटन उद्योग की चुनौतियों, आधारभूत संरचना, कौशल विकास और सतत पर्यटन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में डॉ. सौरभ दीक्षित ने एक पेशेवर पर्यटन मार्गदर्शक के दायित्व, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और नैतिक आचरण के महत्व को समझाया। तृतीय सत्र में रामकृष्ण कोंगल्ला ने जनजातीय समुदायों की पारंपरिक संरक्षण पद्धतियों को पर्यावरण संतुलन का आधार बताया।

1400 विद्यार्थियों ने दिखाया अनुशासन व देशभक्ति का जज्बा

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान में अंतर-विद्यालयीन मार्चपास्ट सम्पन्न

ग्वालियर

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई) में 36वां अंतर-विद्यालयीन मार्चपास्ट एवं मास डिस्प्ले प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में शहर के लगभग 10 विद्यालयों के 1400 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आकर्षक प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. कल्पना शर्मा ने की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित करते हैं। मुख्य अतिथि बी.एल. मोरोडिया, निदेशक, केवीएस जोनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड ट्रेनिंग, ग्वालियर ने खेल व सांस्कृतिक गतिविधियों को सर्वांगीण विकास का आधार बताया।

विशिष्ट अतिथियों में डॉ. दीपिका भांबानी (एमिटी इंटरनेशनल स्कूल), शीला मोदी (आत्मज्योति दृष्टिहीन कन्या विद्यालय), मनीष तिलक (पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 5) एवं असमा खान (लिटिल एंजेल्स हाई स्कूल) शामिल रहीं।

प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों ने निर्धारित थीम पर हूप, प्लेकार्ड, ध्वज, पोम-पोम, डम्बल, वैंड जैसे उपकरणों के साथ प्रदर्शन किए। आत्मज्योति दृष्टिहीन कन्या छात्रावास की बालिकाओं द्वारा तलवारबाजी एवं मुगदर प्रदर्शन विशेष आकर्षण रहा। परिणामों में मार्चपास्ट में कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल प्रथम, केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 5 द्वितीय व एमिटी इंटरनेशनल स्कूल तृतीय रहे। मास ड्रिल में आरकेवीएम स्कूल ने पहला स्थान प्राप्त किया। ओवरऑल चैंपियनशिप कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल के नाम रही। निर्णायक मंडल में डॉ. लक्ष्मीनारायण आर्य सहित अन्य विशेषज्ञ शामिल रहे। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण के साथ हुआ।

अनचाहे वीडियो कॉल को उठाने से बचें

ग्वालियर

द इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की ग्वालियर ब्रांच द्वारा शुक्रवार को सिटी सेंटर में साइबर अपराध एवं केंद्रीय बजट 2026 के नवीन प्रावधानो पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमित सांघी थे। स्वागत भाषण मयूर गर्ग ने दिया।

मुख्य अतिथि ने कहा कि अपनी सुरक्षा के लिए अनचाहे कॉल को उठाने से बचें। अपने मोबाइल और खाते की जानकारी किसी को नहीं दे। उन्होंने कहा कि सभी व्यापारियों, कम्पनियों और फर्म्स को वर्ष में एक बार सिस्टम सिक्योरिटी ऑडिट जरूर करवाना चाहिए। साइबर की शिकायत को काउंटर करने के लिए जागरूकता बढ़ाने पर ध्यान दें। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सीए आलोक सुराना ने बजट 2026 के प्रत्यक्ष कर संशोधनों, कानूनी प्रावधानों एवं पेशेवर प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की। संचालन गगन जैन और आभार निधि अग्रवाल ने व्यक्त किया। इस अवसर पर स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सीए पंकज शर्मा, नगेन्द्र सिंह कुशवाह, अतुल कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

ग्वालियर और झांसी के लिए विशेष ट्रेनों का हुआ संचालन

ताज एक्सप्रेस का ठहराव, अतिरिक्त टिकट काउंटर और 125 जवान तैनात

ग्वालियर

डबरा में आयोजित भव्य नवग्रह प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आया। झांसी मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार ने झांसी से डबरा के मध्य मल्टीपल लाइन रेलखंड का सघन निरीक्षण कर सुरक्षा एवं परिचालन व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान ट्रैक संरचना, सिग्नलिंग सिस्टम, पुल-पुलियों और संरक्षा मानकों का गहन परीक्षण किया गया।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे ने ग्वालियर और झांसी के लिए विशेष ट्रेनों का संचालन किया है। साथ ही श्रद्धालुओं की मांग को ध्यान में रखते हुए ताज एक्सप्रेस का डबरा स्टेशन पर नियमित ठहराव सुनिश्चित किया गया है, जिससे यात्रियों को आवागमन में राहत मिल सके।

स्टेशन पर बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए 125 रेल सुरक्षा बल और जीआरपी के जवानों की तैनाती की गई है। इसके अलावा पर्याप्त संख्या में वाणिज्य निरीक्षकों को ड्यूटी पर लगाया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त टिकट काउंटर, हेल्प डेस्क और मार्गदर्शन केंद्र भी स्थापित किए गए हैं, ताकि टिकट को लेकर अफरा-तफरी की स्थिति न बने।

नए आयकर अधिनियम में सरल भाषा का उपयोग: राकेश कुमार

ग्वालियर

टैक्स बार एसोसिएशन द्वारा शुक्रवार को स्टडी सर्किल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई जिसमें आयकर अधिनियम, 2025 के प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में आयकर विभाग के संयुक्त आयुक्त राकेश कुमार थे।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि नए आयकर अधिनियम में भाषा को सरल एवं स्पष्ट बनाया गया है। इसे विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में भी तैयार किया जा रहा है, जिससे आमजन इसे आसानी से समझ सकें। विशिष्ट अतिथि दिवाकर तिवारी ने कहा कि नए और पुराने अधिनियम में अंतर अधिक नहीं है, बल्कि अधिनियम का सरलीकरण किया गया है ताकि करदाता एवं अधिवक्ता इसे सहजता से समझ सकें। इस मौके पर आलोक ढींगरा ने पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से नए अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों एवं सेक्शनों में हुए परिवर्तनों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। संचालन अमित बंसल ने किया। बैठक में टैक्स बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, शरद वाकलीवाल, राम निवास शर्मा, सतीश अग्रवाल, मनोज दुबे, नितिन अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

मेगा इम्युनिटी जागरूकता अभियान 250 बच्चों को मिला स्वास्थ्य संदेश

ग्वालियर। सर्दी के मौसम में बच्चों को बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से मेगा इम्युनिटी जागरूकता अभियान की शुरुआत की। इस अभियान के तहत सरस्वती शिशु मंदिर में 250 से अधिक बच्चों के लिए विशेष स्वास्थ्य सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. अभिषेक वर्मा ने बच्चों को बदलते मौसम में खांसी, जुकाम व श्वसन संबंधी बीमारियों से बचाव और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि मजबूत इम्युनिटी सर्दी-खांसी जैसी बीमारियों से लड़ने का सबसे प्रभावी तरीका है। सत्र में बच्चों को स्वच्छता, संतुलित आहार और डाबर च्यवनप्राश के नियमित सेवन से इम्युनिटी बढ़ाने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में प्राचार्य कल्पना सिकरवार ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर ब्यास आनंद ने कहा कि डाबर च्यवनप्राश पिछले 100 वर्षों से भारतीयों की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। शीत लहर हर वर्ष कई लोगों की जान ले लेती है, ऐसे में यह पहल बच्चों को न केवल च्यवनप्राश उपलब्ध कराने बल्कि इम्युनिटी के महत्व को समझाने का प्रयास है।

संपादकीय

अविश्वास प्रस्तावों की कहानी

विपक्ष के 128 लोकसभा सदस्यों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने का प्रस्ताव लाने के लिए एक नोटिस लोकसभा महासचिव को सौंप दिया है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने बताया कि उन्होंने नियम 94सी के तहत लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है। अब तक लोकसभा में 27 बार अविश्वास प्रस्ताव रखे जा चुके हैं। लोकसभा में सबसे पहला अविश्वास प्रस्ताव अगस्त 1963 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार के विरुद्ध जे.बी. कृपालानी ने पेश किया था। लेकिन विपक्ष सरकार गिराने में नाकाम हो गया था, क्योंकि इस प्रस्ताव के पक्ष में केवल 62 वोट और विरोध में 347 वोट पड़े थे। लेकिन 1978 में लाए गए अविश्वास प्रस्ताव ने मोरारजी देसाई की सरकार को गिरा दिया था। अब तक सर्वाधिक 4 बार अविश्वास प्रस्ताव पेश करने का रिकॉर्ड माकपा सांसद ज्योतिर्मय बसु के नाम है। उन्होंने अपने चारों प्रस्ताव इंदिरा गांधी सरकार के विरुद्ध रखे थे। सर्वाधिक अविश्वास प्रस्ताव का सामना करने वाली भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार रही है। इंदिरा गांधी सरकार के विरुद्ध 15 अविश्वास प्रस्ताव पेश किए गए थे। इसके अलावा पी.वी. नरसिम्हा राव और लाल बहादुर शास्त्री की सरकारों ने 3-3 बार अविश्वास प्रस्तावों का सामना किया था। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार इंदिरा गांधी की सरकार और दूसरी बार पी.वी. नरसिम्हा राव की सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था। संयोग की बात है कि अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के विरुद्ध भी 1996 व 1998 में दो बार अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गया था और वह दोनों बार हार गए थे। सन 2018 में नरेंद्र मोदी की सरकार के विरुद्ध भी अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन यह प्रस्ताव गिर गया था। लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला पर आरोप है कि वह विपक्ष के साथ भेदभाव करते हैं और सांसदों को बोलने का मौका कम देते हैं। हालांकि यह पहली बार नहीं है, जब किसी लोकसभाध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाया जा रहा हो। संसद के इतिहास में कई बार ऐसा हो चुका है। अविश्वास प्रस्ताव भारतीय संसदीय परंपरा का ही एक हिस्सा है। जब भी विपक्ष को सरकार या फिर लोकसभाध्यक्ष पर भरोसा नहीं होता है तो उन्हें हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाया जाता है। लोकसभाध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव संविधान के अनुच्छेद 94(सी) के तहत लाया जाता है, इसे मोशन ऑफ रिमूवल कहा जाता है। इसके तहत लोकसभा के अध्यक्ष को हटाया जा सकता है। वोटिंग में बहुमत मिलने पर अध्यक्ष को हटाने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। भारतीय संसद के इतिहास में पहली बार सन 1954 में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। लोकसभा के पहले अध्यक्ष जी.वी. मावलंकर के खिलाफ यह प्रस्ताव लाया गया था। सोशलिस्ट पार्टी के नेता विघ्नेश्वर मिसिर यह प्रस्ताव लाए थे। इस प्रस्ताव पर लगभग दो घंटे तक चर्चा हुई थी, हालांकि बाद में उसे खारिज कर दिया गया। इस प्रस्ताव को जवाहर लाल नेहरू ने सदन की गरिमा का सवाल बताया था। सन 1954 के बाद लोकसभाध्यक्ष के विरुद्ध दूसरा प्रस्ताव 1966 में हुकम सिंह के विरुद्ध लाया गया। वहीं तीसरी बार 1987 में तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष बलराम जाखड़ के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। पिछले तमाम प्रस्तावों की तरह यह अविश्वास प्रस्ताव भी खारिज हो गया था। अब देखना यह है कि ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव कितना चल पाता है, इससे लोकसभाध्यक्ष की कुर्सी जाती है या फिर यह प्रस्ताव धड़ाम गिरता है। फिलहाल तो संख्या बल देखते हुए ऐसा नहीं लगता कि ओम बिरला की कुर्सी जाएगी, बाकी आने वाला वक्त बताएगा।

ट्रम्प किसी भी रिश्ते को तोड़ और फैसला बदल सकते हैं

> भाषा, लहजा और विषयवस्तु, जिसमें भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद फिर से शुरू करने पर प्रतिबंधों को दोबारा लागू करने की धमकी दी गई है, कम से कम दबावकारी और राजनीतिक रूप से भी नुकसानदायक है। यदि भारत प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रूसी तेल का आयात फिर से शुरू करता है, तो 25 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क फिर से लागू हो सकता है। भारत की ऊर्जा खरीद पर अपने अधिकार जताने के कारण ट्रम्प का रूस के सबसे बड़े तेल खरीदार चीन का नाम न लेना और उसे दंडित न करना, इस बात को और भी स्पष्ट कर देता है। राष्ट्रपति के आदेश में चीन का कोई जिक्र नहीं है। भारत द्वारा रूस से तेल की खरीद कम करने से चीन को भारी छूट और अधिक मात्रा में तेल खरीदकर और भी अधिक लाभ हो रहा है। रूस पहले ही सऊदी अरब को पीछे छोड़कर चीन का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्त्ता बन चुका है। अगर ट्रम्प को लगता है कि भारत पर दबाव डालने से पुतिन यूक्रेन में रियायतें देने के लिए मजबूर हो जाएंगे, तो उन्होंने अभी तक मॉस्को को समझा नहीं है।

सीमा सिरोही

क्या अमरीका-भारत टैरिफ समझौता एक साल की मानव निर्मित उथल-पुथल के बाद राजनीतिक विश्वास बहाल कर सकता है? इसका संक्षिप्त उत्तर है- कुछ हद तक। भारत-अमरीका के संयुक्त बयान में टैरिफ में जो कमी की गई है, ट्रम्प के रूसी तेल पर कार्यकारी आदेश ने उसे खत्म कर दिया है। कार्यकारी आदेश की भाषा, लहजा और विषयवस्तु, जिसमें भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद फिर से शुरू करने पर प्रतिबंधों को दोबारा लागू करने की धमकी दी गई है, कम से कम दबावकारी और राजनीतिक रूप से भी नुकसानदायक है। यदि भारत प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रूसी तेल का आयात फिर से शुरू करता है, तो 25 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क फिर से लागू हो सकता है। भारत की ऊर्जा खरीद पर अपने अधिकार जताने के कारण ट्रम्प का रूस के सबसे बड़े तेल खरीदार चीन का नाम न लेना और उसे दंडित न करना, इस बात को और भी स्पष्ट कर देता है। राष्ट्रपति के आदेश में चीन का कोई जिक्र नहीं है। भारत द्वारा रूस से तेल की खरीद कम करने से चीन को भारी छूट और अधिक मात्रा में तेल खरीदकर और भी अधिक लाभ हो रहा है। रूस पहले ही सऊदी अरब को पीछे छोड़कर चीन का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्त्ता बन चुका है। अगर ट्रम्प को लगता है कि भारत पर दबाव डालने से पुतिन यूक्रेन में रियायतें देने के लिए मजबूर हो जाएंगे, तो उन्होंने अभी तक मॉस्को को समझा नहीं है। ट्रम्प जो कर रहे हैं, उससे ऊर्जा खरीद एक भू-राजनीतिक खेल बन गया है और भारत का प्रभाव कम हो रहा है,

जबकि चीन को समग्र विजेता बनाया जा रहा है-और एक समय था जब चीन अमरीका का सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी था। भले ही भारत को टैरिफ में 18 प्रतिशत छूट की सबसे ज्यादा जरूरत हो, लेकिन वाशिंगटन के साथ खोए हुए संबंधों को वापस पाने के लिए दिल्ली के लिए पुराने गौरवशाली दिनों में लौटना मुश्किल होगा। इसके अलावा, ट्रम्प के कारण दोनों देशों के राजनीतिक संबंधों में आई दरार को देखते हुए नीति निमार्ता शायद ऐसा करना भी न चाहें। भारत में आलोचकों ने टैरिफ समझौते की निंदा करते हुए कहा है कि इसमें बहुत कुछ दिया गया है और कुछ लिया नहीं गया। एक टिप्पणीकार ने इसे दंडात्मक कार्रवाई को रोकने की एक रणनीति बताया है। संप्रभुता के बदले में किए गए अतिरंजित समर्पण को छोड़ दें, तो असली सवाल यह है कि क्या श्रम-प्रधान उद्योगों में नौकरियों का नुकसान और घटता बाजार हिस्सा ज्यादा स्वीकार्य है? सूरत, तिरुप्पुर या कानपुर के उन लोगों से पूछिए, जिन्होंने ट्रम्प के टैरिफ के कारण अपनी आजीविका खो दी। बेरोजगारों के पास खोने के लिए अब कोई संप्रभुता नहीं बची थी। अमरीका को चमड़े का निर्यात लगभग शून्य हो गया था, जिससे कई चमड़ा कारखानों को अपना काम बंद करना पड़ा। सबसे ज्यादा प्रभावित तीन क्षेत्रों-रत्न, वस्त्र और चमड़े में 20 लाख से ज्यादा लोगों की नौकरी गई है। भारत से पूंजी के बहिर्वाह, परिणामस्वरूप रुपए पर पड़ रहे दबाव और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा रिकॉर्ड 17 अरब डॉलर की निकासी को देखते हुए वाशिंगटन द्वारा शुल्क में कटौती की आवश्यकता भी अनिवार्य हो गई थी, जिससे 2025 सबसे खराब वर्ष बन गया, जिसने 2022 के रिकॉर्ड को पार कर लिया। यह अनुभव दिल्ली के लिए एक कड़वा सबक है, भले ही वह रणनीतिक, आर्थिक और तकनीकी कारणों से अमरीका के साथ सांझेदारी की आवश्यकता को स्वीकार करती हो। कुछ विश्लेषकों ने पहले ही अमरीकी सहयोग और लचीलेपन के साथ राजनीतिक संबंधों में गिरावट के दौर के अंत की घोषणा कर दी है। हालांकि इस बात से व्यापक रूप से सहमति हो सकती है लेकिन राजनीतिक जटिलताओं को कम आंकना और तकनीकी निवेश को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करना, किसी विशेष दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए नासमझी होगी। अंत में, राजनीति को अर्थशास्त्र को भी साथ लेकर चलना होगा। भारत जैसे देश के लिए, यह एक ऐसा जुमार्ना था, जिसे ट्रम्प ने बिगाड़ दिया। वाशिंगटन को शायद यह एहसास हो गया है कि बिना किसी अच्छे कारण के भारत को खोना कोई समझदारी भरी नीति नहीं थी, भले ही ट्रम्प सरकार में कुछ लोग भारत और भारतीयों को केवल समस्याओं का स्रोत मानते हों, चाहे वह एच-1बी वीजा हो या विरासत अमरीकियों को पीछे छोड़ना और एम.ए.जी.ए. के गुस्से को भड़काना या आधिकारिक पुनर्प्रचार, ताकि भारत को पैक्स सिलिका में शामिल किया जा सके जिसमें वह इस महीने औपचारिक रूप से शामिल होगा। आर्थिक मामलों के उप विदेश सचिव जैकब हेलबर्ग ने अमरीका-भारत टैरिफ की घोषणा के बाद काफी सकारात्मक गति की सूचना दी। जब मैंने उनसे पूछा कि भारत को शुरू में पैक्स सिलिका में क्यों शामिल नहीं किया गया था, तो उन्होंने कहा, भारत संभवतरू दुनिया में एकमात्र ऐसा देश है जो युवा तकनीकी प्रतिभा के मामले में चीन को टक्कर दे सकता है। हमारे देशों के विशाल आकार को देखते हुए, भारत से तालमेल बिठाने में समय लगा। आगे चलकर, भारत निश्चित रूप से ट्रम्प के नेतृत्व वाले अमरीका के साथ मजबूत संबंध बनाए रखना चाहेगा। लेकिन साथ ही, वह अन्य सांझेदारों पर भी अधिक ध्यान देगा। ये सभी बातें एक साथ सच होंगी। यह बात अब भारतीय मानसिकता में गहराई से बैठ गई है कि ट्रम्प किसी भी रिश्ते को तोड़ सकते हैं, मनमर्जी से अपना फैसला बदल सकते हैं, देर रात के एक संदेश से समझौतों को ध्वस्त कर सकते हैं और दिल्ली में राजनीतिक उथल-पुथल मचा सकते हैं। अतः जोखिम कम करो, वरना असुरक्षित रहो।

पुलवामा हमले से उपजा राष्ट्रीय संकल्प

> इस हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 76वीं बटालियन के 40 जवान शहीद हो गए। हमलावर पुलवामा जिले का ही रहने वाला पाकिस्तान स्थित इस्लामी आतंकवादी समूह जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा स्थानीय कश्मीरी युवक आदिल अहमद डार था। पुलवामा के लेथपोरा क्षेत्र में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सी.आर.पी.एफ. के 78 वाहनों का काफिला जम्मू से श्रीनगर की ओर बढ़ रहा था और सैंकड़ों जवान (लगभग 2500) ड्यूटी पर लौट रहे थे। दोपहर लगभग 3 बजे आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से भरी कार को जवानों की बस से टक्कर मार दी। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि आसपास का क्षेत्र दहल उठा। कई जवान मौके पर ही शहीद हो गए और कई गंभीर रूप से घायल हुए। यह केवल एक आतंकी घटना नहीं थी, बल्कि भारत की एकता, सुरक्षा और संप्रभुता को चुनौती देने का प्रयास था। इस कायराना हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने ली। भारत ने इस हमले के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहराया, जबकि पाकिस्तान ने हमेशा की तरह इस हमले के साथ किसी भी तरह का संबंध होने से इंकार किया। आतंकवाद का चरित्र कायरतापूर्ण होता हैकृवह छिपकर वार करता है और निदोर्षों की जान लेता है। पुलवामा हमले के बाद भारत की मोदी सरकार ने आतंकवाद के विरुद्ध सख्त रुख अपनाया। 26 फरवरी 2019 को भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बालाकोट में स्थित आतंकी प्रशिक्षण शिविरोंध ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की। यह कार्रवाई आत्मरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का स्पष्ट संदेश थी। इसके अगले दिन 27 फरवरी को भारत और पाकिस्तान के बीच हवाई तनाव की स्थिति बनी, जिसमें भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को पाकिस्तान ने बंदी बना लिया था। अंतरराष्ट्रीय दबाव और कूटनीतिक प्रयासों के बाद 1 मार्च, 2019 को उन्हें भारत को लौटा दिया गया। मई 2019 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर को वैश्विक आतंकवादी घोषित किया। इसे भारत की कूटनीतिक सफलता के रूप में देखा गया। आज, पुलवामा की याद हमें केवल शोक मनाने के लिए नहीं, बल्कि आत्ममंथन और संकल्प के लिए भी प्रेरित करती है। आतंकवाद के विरुद्ध कठोरता बरतना आवश्यक है, पर उतना ही आवश्यक है सामाजिक सौहार्द, युवाओं को सकारात्मक दिशा और विकास की मुख्यधारा से जोडना। पुलवामा हमला एक काला अध्याय अवश्य है, परंतु इससे उपजा राष्ट्रीय संकल्प भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह घटना हमें निरंतर सतर्क रहने, सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने और आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग को बढ़ाने की प्रेरणा देती है। शहीदों का बलिदान केवल स्मृति नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है, एक सुरक्षित, सशक्त और एकजुट भारत के निर्माण की जिम्मेदारी।

सुरेश कुमार गोयल

14 फरवरी, 2019 के दिन पाकिस्तान के पाले हुए आतंकवादियों में से एक ने आत्मघाती हमलावर बन कर जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारतीय सेना के काफिले पर पुलवामा जिले के लेथपोरा में एक वाहन में सवार होकर भीषण आत्मघाती हमला किया था। इस हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 76वीं बटालियन के 40 जवान शहीद हो गए। हमलावर पुलवामा जिले का ही रहने वाला पाकिस्तान स्थित इस्लामी आतंकवादी समूह जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा स्थानीय कश्मीरी युवक आदिल अहमद डार था। पुलवामा के लेथपोरा क्षेत्र में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सी.आर.पी.एफ. के 78 वाहनों का काफिला जम्मू से श्रीनगर की ओर बढ़ रहा था और सैंकड़ों जवान (लगभग 2500) ड्यूटी पर लौट रहे थे। दोपहर लगभग 3 बजे आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से भरी कार को जवानों की बस से टक्कर मार दी। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि आसपास का क्षेत्र दहल उठा। कई जवान मौके पर ही शहीद हो गए और कई गंभीर रूप से घायल हुए। यह केवल एक आतंकी घटना नहीं थी, बल्कि भारत की एकता, सुरक्षा और संप्रभुता को चुनौती देने का प्रयास था। इस कायराना हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने ली। भारत ने इस हमले के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहराया, जबकि पाकिस्तान ने हमेशा की तरह इस हमले के साथ किसी भी तरह का संबंध होने से इंकार किया। आतंकवाद का चरित्र कायरतापूर्ण होता हैकृवह छिपकर वार करता है और निदोर्षों की जान लेता है। पुलवामा ने एक बार फिर स्पष्ट किया कि सीमा पार से पोषित आतंकवाद केवल क्षेत्रीय समस्या नहीं, बल्कि वैश्विक चुनौती है। हमले की खबर फैलते ही पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई। गांवों और शहरों में लोगों ने मोमबत्तियां जलाकर और मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। जब शहीदों के पार्थिव शरीर उनके गृह राज्यों में पहुंचे, तो हजारों की संख्या में लोग अंतिम दर्शन के लिए उमड़ पड़े। हर आंख नम थी, लेकिन हर हृदय में देशभक्ति की भावना प्रबल थी। शहीदों के परिवारों ने अपने प्रियजनों की शहादत पर गर्व व्यक्त करते हुए राष्ट्र के प्रति अटूट आस्था दिखाई। यह भारतीय संस्कृति और संस्कारों की महानता का प्रतीक है। इस भीषण हमले में उत्तर प्रदेश के 12, राजस्थान के 5, पंजाब के 4, बंगाल, ओडिशा, उत्तराखंड, बिहार, महाराष्ट्र और तमिलनाडु से 2-2, असम, कर्नाटक, जम्मू और कश्मीर, हिमाचल, केरल, झारखंड और मध्य प्रदेश से 1-1, कुल मिलाकर 40 वीर जवानों ने मातृभूमि के लिए अपने प्राण न्यौछावर किए। इस घटना की विश्व भर में निंदा हुई और कई देशों ने आतंकवाद के विरुद्ध भारत का समर्थन किया। भारत सरकार ने पाकिस्तान को इसका दोषी मानते हुए कूटनीतिक और राजनीतिक स्तर पर कड़े कदम उठाए और पाकिस्तान से मोस्ट फेवर्ड नेशन का दर्जा वापस ले लिया। पुलवामा हमले के बाद भारत की मोदी सरकार ने आतंकवाद के विरुद्ध सख्त रुख अपनाया। 26 फरवरी 2019 को भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बालाकोट में स्थित आतंकी प्रशिक्षण शिविरोंध ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की। यह कार्रवाई आत्मरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का स्पष्ट संदेश थी। इसके अगले दिन 27 फरवरी को भारत और पाकिस्तान के बीच हवाई तनाव की स्थिति बनी, जिसमें भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को पाकिस्तान ने बंदी बना लिया था। अंतरराष्ट्रीय दबाव और कूटनीतिक प्रयासों के बाद 1 मार्च, 2019 को उन्हें भारत को लौटा दिया गया। मई 2019 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर को वैश्विक आतंकवादी घोषित किया। इसे भारत की कूटनीतिक सफलता के रूप में देखा गया। आज, पुलवामा की याद हमें केवल शोक मनाने के लिए नहीं, बल्कि आत्ममंथन और संकल्प के लिए भी प्रेरित करती है। आतंकवाद के विरुद्ध कठोरता बरतना आवश्यक है, पर उतना ही आवश्यक है सामाजिक सौहार्द, युवाओं को सकारात्मक दिशा और विकास की मुख्यधारा से जोडना। पुलवामा हमला एक काला अध्याय अवश्य है, परंतु इससे उपजा राष्ट्रीय संकल्प भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह घटना हमें निरंतर सतर्क रहने, सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने और आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग को बढ़ाने की प्रेरणा देती है। शहीदों का बलिदान केवल स्मृति नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है, एक सुरक्षित, सशक्त और एकजुट भारत के निर्माण की जिम्मेदारी।

डाक्टरी सेवाओं में लूट की जिम्मेदारी सरकार पर

> डाक्टर बनने की अलौकिक कथा रू मैडीकल की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों की संख्या प्रतिवर्ष बढ़ रही है और उनकी पढ़ाई के लिए उपलब्ध कालेज भी गत 10 वर्षों में लगभग दोगुने हो गए हैं। शानदार बिल्डिंग, आलीशान कमरे और अन्य निर्माण दिखाकर डाक्टरी पढने के इच्छुक विद्यार्थियों को मोटी फीस लेकर एडमिशन दे दिया जाता है। बढिया टाइम टेबल बना दिया और अब जब वे क्लासरूम या लाइब्रेरी या लैबोरेटरी में गए तो वहां न तो शिक्षित और प्रशिक्षित शिक्षक मौजूद हैं और न ही लैब टैक्नीशियन या विशेषज्ञ जो टैस्ट आदि करने की विधि सिखा सकें। यह विडंबना नहीं बल्कि खिलवाड़ है कि मैडीकल की पढ़ाई के लिए सही शिक्षक न मिले तो प्रबंधकों ने किसी अन्य विषय में पी.एच-डी. करने वालों को पढ़ाने के लिए नियुक्त कर दिया क्योंकि कहलाते तो वे भी डाक्टर ही हैं। चिकित्सा शिक्षा में शिक्षकों की कमी को लेकर जनवरी 2026 में एक याचिका की सुनवाई के बाद माननीय उच्च न्यायालय ने आदेश दिया है कि इन शिक्षण संस्थानों में विशेष रूप से शिक्षकों और प्रबंधन के खाली पदों पर अगले 4 महीनों में नियुक्ति हो जानी चाहिए। निश्चय ही यह नहीं हो सकता क्योंकि जैसी कछुआ चाल हमारे देश में है, उसमें यह असंभव है। उसके बाद और अधिक समय मांगा जाएगा जिसकी कड़ी वर्षों तक खिंचती चली जाएगी क्योंकि सरकार की कोशिशों में गंभीरता और पारदर्शिता नहीं है। वह असली-नकली आंकड़ों के आधार पर जनता को भ्रम में डाले रखती है वरना सोचिए कि इस बात में क्या तुक है कि पढ़ाने वाले हैं नहीं और पढने वालों को दाखिला दे दिया! हर साल मैडीकल में दाखिलों की सीटें बढ़ रही हैं और आने वाले वर्षों में जनसंख्या के अनुपात में डाक्टरों की संख्या भी बढ़ेगी।

पूरन चंद सरीन

कहावत है कि धन की हानि चिंता का विषय नहीं लेकिन स्वास्थ्य ठीक नहीं तो यह घातक है। पैसा तो फिर भी कमाया जा सकता है, लेकिन सेहतमंद शरीर गंवा दिया तो उसे दोबारा पाना संभव नहीं। जीवन भर डाक्टरों की निगरानी और दवाइयों का सहारा जरूरी हो जाने से जीवन बोझ बन जाता है। डाक्टर बनने की अलौकिक कथा रू मैडीकल की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों की संख्या प्रतिवर्ष बढ़ रही है और उनकी पढ़ाई के लिए उपलब्ध कालेज भी गत 10 वर्षों में लगभग दोगुने हो गए हैं। शानदार बिल्डिंग, आलीशान कमरे और अन्य निर्माण दिखाकर डाक्टरी पढने के इच्छुक विद्यार्थियों को मोटी फीस लेकर एडमिशन दे दिया जाता है। बढिया टाइम टेबल बना दिया और अब जब वे क्लासरूम या लाइब्रेरी या लैबोरेटरी में गए तो वहां न तो शिक्षित और प्रशिक्षित शिक्षक मौजूद हैं और न ही लैब टैक्नीशियन या विशेषज्ञ जो टैस्ट आदि करने की विधि सिखा सकें। यह विडंबना नहीं बल्कि खिलवाड़ है कि मैडीकल की पढ़ाई के लिए सही शिक्षक न मिले तो प्रबंधकों ने किसी अन्य विषय में पी.एच-डी. करने वालों को पढ़ाने के लिए नियुक्त कर दिया क्योंकि कहलाते तो वे भी डाक्टर ही हैं। चिकित्सा शिक्षा में शिक्षकों की कमी को लेकर जनवरी 2026 में एक याचिका की सुनवाई के बाद माननीय उच्च न्यायालय ने आदेश दिया है कि इन शिक्षण संस्थानों में विशेष रूप से शिक्षकों और प्रबंधन के खाली पदों पर अगले 4 महीनों में नियुक्ति हो जानी चाहिए। निश्चय ही यह नहीं हो सकता क्योंकि जैसी कछुआ चाल हमारे देश में है, उसमें यह असंभव है। उसके बाद और अधिक समय मांगा जाएगा जिसकी कड़ी वर्षों तक खिंचती चली जाएगी क्योंकि सरकार की कोशिशों में गंभीरता और पारदर्शिता नहीं है। वह असली-नकली आंकड़ों के आधार पर जनता को भ्रम में डाले रखती है वरना सोचिए कि इस बात में क्या तुक है कि पढ़ाने वाले हैं नहीं और पढने वालों को दाखिला दे दिया! हर साल मैडीकल में दाखिलों की सीटें बढ़ रही हैं और आने वाले वर्षों में जनसंख्या के अनुपात में डाक्टरों की संख्या भी बढ़ेगी। प्रश्न यह है कि क्या कालेजों और शिक्षकों की जरूरत पूरी करने की व्यवस्था की जा रही है? जी नहीं, इन दोनों के बीच कोई तालमेल नहीं है। फैकल्टी की कमी विशेषकर तेलंगाना, मध्यप्रदेश आदि राज्यों में नए खुले सरकारी

कॉलेजों में 50 प्रतिशत तक है। जरूरी सुविधाएं भी नहीं हैं। इस कारण जहां शिक्षकों पर अतिरिक्त बोझ पडने से पढ़ाई की क्वालिटी गिर रही है, वहीं मामलों में अनक्वालीफाइड तथा नॉन मैडीकल फैकल्टी विद्यार्थियों का भविष्य तबाह कर रही है। जब ये मरीजों का इलाज करेंगे तो क्या होगा, सोचकर भी डर लगता है। क्या लोगों का जीवन खतरे में डालने वाले डाक्टर पैदा होने से देश का भला होगा? जाति आधारित आरक्षण के कारण दाखिला देने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन इसके लिए न्यूनतम अंकों की अनिवार्यता समाप्त करना घातक है। नागरिकों को स्वस्थ बनाए रखने की जितनी जिम्मेदारी स्वयं की है उतनी ही स्वास्थ्य की देखभाल करने के लिए आवश्यक प्रबंध करने के लिए सरकार की है। बड़े शहरों में तो फिर भी गनीमत है लेकिन गांव-देहात और दूरदराज के क्षेत्रों में आवश्यक सुविधाएं नदारद हैं। इन इलाकों में अगर कानूनन सर्विस करने की मजबूरी न हो तो कोई भी डाक्टर यहां न आए। इसका कारण एकमात्र यह नहीं है कि वे आना नहीं चाहते बल्कि यह है कि वहां स्वास्थ्य केंद्रों में इलाज करने, टैस्ट करने की सुविधाएं और आधुनिक उपकरण नहीं हैं। लोगों की आथ्थक स्थिति ऐसी नहीं है कि बड़े शहरों में बीमारी का इलाज करवा सकें। यह सरकारी नीतियों की विफलता ही है कि ग्रामीण क्षेत्रों में झोलाछाप डाक्टरों का बोलबाला और नीम हकीम खतरा-ए-जान की कहावत सिद्ध हो रही है। केवल जन स्वास्थ्य केंद्र, आयुष्मान भारत और योग संस्थान की बदौलत लोगों की स्वास्थ्य रक्षा नहीं हो सकती। प्राइवेट अस्पतालों में मरीजों और उनके तीमारदारों की सच्ची कहानियां और सरकार की बेरुखी इस बात का प्रमाण हैं कि मैडीकल की पढ़ाई की व्यवस्था और गुणवत्ता प्रश्नों के घेरे में है। सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए कोई भी दावा कर सकती है और उस पर यकीन करना युवा पीढ़ी के लिए घातक साबित होगा। चिकित्सा व्यवसाय का लुटेरा पहलू रू मेधावी विद्यार्थी एम.बी.बी.एस. करने के बाद सरकारी या निजी अस्पतालों में तुरंत नौकरी पा जाते हैं और जो सफल नहीं रहते वे अपना क्लीनिक खोल लेते हैं। उनकी योग्यता के बारे में मरीजों को संदेह रहता है लेकिन वे इतना तो समझ ही जाते हैं कि इस व्यवसाय में दूसरे खेल खेल कर आसानी से रुपया कमाया जा सकता है। यह धंधा बड़े और नामी अस्पतालों में भी होता है और मुफ्त की कमाई का साधन है। एक उदाहरण से समझिए। आपको मामूली सर्दी, खांसी, बुखार, जुकाम, थकावट, बदन दर्द है तो डाक्टर साहब ढेरों दवाई, एंटीबायोटिक देने के साथ तरह-तरह के टैस्ट करने की हिदायत देते हैं जिन पर 100-200 नहीं, 10, 20, 50 हजार तक खर्चा आता है। खांसी है तो टी.बी. तक के टैस्ट, बुखार है तो मलेरिया, टायफॉइड के लिए, दर्द के लिए एम.आर.आई. तक और कमजोरी से चक्कर आ गया तो उसके लिए तरह-तरह की मशीनों से गुजरने की जरूरत, मतलब यह कि चाहे उधार लो, अपनी बचत खत्म करो या जेवर, घर, जमीन बेचो, ये सब कराने के लिए मजबूरी की हद तक जाना पड़ता है।

चलती बाइक पर युवक की गर्दन में उलझा चाइनीज मांझा

लखनऊ,। लखनऊ में प्रतिबंध के बावजूद चाइनीज मांझा लोगों की जान पर बनता जा रहा है। थाना हुसैनगंज क्षेत्र में शेर वाली कोठी के पास रहने वाले 29 वर्षीय मोहम्मद मुशर्रफ शनिवार को चाइनीज मांझे का शिकार हो गए। वह अपनी पत्नी और छोटी बच्ची के साथ बाइक से हुसैनगंज से लालकुआं जा रहे थे।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही उनकी बाइक फ्लाईओवर पर पहुंची, अचानक चाइनीज मांझा सामने आ गया। मुशर्रफ संभल पाते उससे पहले मांझा उनकी गर्दन में उलझ गया। तेज धार मांझे से उनकी गर्दन कट गई और दर्द से घबराकर उन्होंने अचानक ब्रेक लगा दी। बाइक स्लिप हो गई और तीनों फ्लाईओवर पर ही गिर पड़े। हादसे में मुशर्रफ गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि उनकी पत्नी को भी चोटें आईं। छोटी बच्ची बाल-बाल बच गई। मौके पर मौजूद राहगीरों ने तुरंत मदद की। मुशर्रफ और उनकी पत्नी को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद मुशर्रफ की हालत स्थिर है। मुशर्रफ ने बताया मैं पत्नी और बच्ची के साथ बाइक से लालकुआं जा रहा था। फ्लाईओवर पर मांझा गर्दन में फंस गया। इससे बाइक कंट्रोल से बाहर हो गई। पत्नी और बच्ची समेत फ्लाईओवर पर गिर गया।

सालों तक नहीं भरता अपनों को खोने का घाव, इन तरीकों से मिल सकती है दुख से थोड़ी राहत

पहलगाम हमले में जिन लोगों ने भी अपने अपनों को खोया है, वो सालों तक 22 अप्रैल की तारीख को भूल नहीं पाएंगे। बस कुछ तरीकों को अपनाकर वो अपने दुख से राहत पा सकते हैं। पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने देशभर को झकझोर कर रख दिया है। इस आतंकी हमले में 26 लोग तो मारे ही गए हैं, साथ ही में इस हमले से देशभर के लोगों के दिलों को मानसिक आघात पहुंचा है। लोग मृतकों के बिलखते परिवारजनों की फोटोज और वीडियोज देखकर परेशान हो रहे हैं और अपने आंसुओं को रोक नहीं पा रहे। वो कहते हैं न कि जाने वाले तो चले जाते हैं, लेकिन जो रह जाते हैं, उनके लिए खुद को संभालना काफी मुश्किल हो जाता है। सोचिए क्या बीत रही होगी उस पत्नी पर जिसके सामने उसके पति को गोली मार दी गई। क्या बीत रही होगी उस बच्चे पर, जिसको साइड करके उसके पिता को गोलियों से भून दिया गया। जिंदगीभर उनके दिमाग से 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले की तस्वीरें निकल नहीं पाएंगी। सालों लगेंगे कि बात को समझने में कि उन्होंने अपने सबसे प्रिय परिवारजन को खो दिया। इस दर्द से उबरना तो आसान नहीं है, लेकिन कुछ तरीके अपनाकर आप अपनों को खोने के दर्द से थोड़ी राहत पा सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं करेंगे तो ये न सिर्फ आपके लिए बल्कि आपके आस-पास वाले लोगों के लिए भी काफी कष्टदायी होगा।

अपनी भावनाएं व्यक्त करें

किसी को खोने के बाद अपनी भावनाओं को कभी मन में न दबाएं। ऐसा करने से आपको कुछ ही दिन में घुटन सी महसूस होने लगेगी। अपने दोस्तों, परिवारवालों और अन्य करीबियों से बातचीत करें। उन्हें बताएं कि आप कैसा महसूस कर रहे हैं। अगर रोने का मन है तो रोएं। इस कठिन समय में कभी भी अपने मन की बातों को मन में न रखें।

खुद को समझें

ये बिल्कुल नहीं सोचें कि लोग इस वक्त आपके बारे में क्या सोचेंगे। वो करें जो आपको अच्छा लगता हो। लोगों के प्रेशर में आकर कुछ भी कदम न उठाएं। यदि कुछ दिन अकेले रहकर खुद को हील करना अच्छा लगे तो वो करें। बहुत से लोगों को अकेले मेडिटेशन करके खुशी मिलती है। ऐसे में अन्य लोगों को उनकी सहायता करनी चाहिए, न कि उन्हें और परेशान करना चाहिए।

खुद को व्यस्त रखें

किसी अपने को खोने के बाद खुद को जितना हो सके व्यस्त रखे। यदि आप उन्हीं यादों में खोए रहेंगे या पुरानी बातें सोचते रहेंगे तो हो सकता है कि आपको इस दुख से उबरने में और भी ज्यादा समय लगे। तो यदि आप जॉब करते हैं तो अपने काम पर वापस जाएं।

शारीरिक गतिविधियों का रखें ध्यान

इस वक्त खुद को न सिर्फ मानसिक रूप से बल्कि शारीरिक रूप से भी स्वस्थ रखने की जरूरत है। इसके लिए योग करें, मेडिटेशन करें। चाहें तो योगा क्लास ज्वॉइन कर सकते हैं। योग और मेडिटेशन से आंतरिक शांति मिलती है।

अपने खान-पान का भी खास ध्यान रखें, ताकि आपका स्वास्थ्य न बिगड़े।

सकारात्मक गतिविधियों में शामिल हों

इस मौके पर ऐसी गतिविधियों में शामिल हों, जिनसे आपको खुशी मिलती हो। इसके लिए आप किताब पढ़ सकते हैं। अच्छा सकारात्मक संगीत सुन सकते हैं। अपने ऐसे दोस्तों के साथ मिलने जा रहे हैं, जो आपको समझते हों।

सहायता प्राप्त करें

यदि आप ऊपर दिए तरीकों से रिलेक्स नहीं हो पा रहे हैं तो देर न करते हुए मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर जैसे काउंसलर या थेरेपिस्ट से मदद लें। वे आपको इस कठिन समय में मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान कर सकते हैं।

भारत इस गंभीर कैंसर के सबसे ज्यादा मामलों वाला देश, इलाज के बाद भी लंबे समय तक जी पाना कठिन

भारत दुनियाभर में ओरल कैंसर के सबसे ज्यादा मामलों वाला देश है।जर्नल ऑफ कैंसर पॉलिसी में प्रकाशित एक शोध पत्र में बताया गया है, देश में ओरल कैंसर के 50% से अधिक मामलों के लिए तंबाकू-धूम्रपान की आदत को प्रमुख कारण माना जाता रहा है। कैंसर वैश्विक स्तर पर गंभीर स्वास्थ्य जोखिम बना हुआ है,

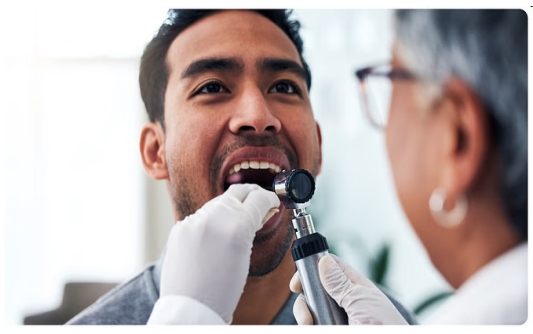

ये मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण भी है। भारतीय आबादी में भी कैंसर के मामले साल-दर-साल बढ़ते जा रहे हैं। आधुनिक चिकित्सा और मेडिकल क्षेत्र में नवाचार के चलते एक दशक पहले की तुलना में अब कैंसर का इलाज आसान जरूर हो गया है, पर अब भी कई चुनौतियां हैं जो विशेषज्ञों के लिए लगातार चिंता का कारण बनी हुई हैं। मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि भारत में जिन कैंसर के मामले सबसे ज्यादा रिपोर्ट किए जाते रहे हैं उनमें फेफड़े, पेट, स्तन और मुंह के कैंसर प्रमुख हैं। मुंह का कैंसर (ओरल कैंसर) फिलहाल भारत के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है। इतना ही नहीं, भारत दुनियाभर में ओरल कैंसर के सबसे ज्यादा मामलों वाला देश है। हर साल यहां अनुमानित 1.43 लाख नए मामले सामने आते हैं। तंबाकू-धूम्रपान को इसके लिए प्रमुख कारण माना जाता रहा है, चिंताजनक बात ये भी है कि ओरल कैंसर सिर्फ पुरुषों में ही नहीं महिलाओं में भी बढ़ता हुआ देखा जा रहा है।

तंबाकू 50% से अधिक मामलों के लिए जिम्मेदार

जर्नल ऑफ कैंसर पॉलिसी में प्रकाशित एक शोध पत्र में बताया गया है, देश में ओरल कैंसर के 50% से अधिक मामलों के लिए तंबाकू-धूम्रपान की आदत प्रमुख कारण है। भारतीय उपमहाद्वीप में ओरल कैंसर एक बड़ी समस्या है, जहां यह देश में शीर्ष तीन प्रकार के कैंसर में शुमार है। भारत में ओरल कैंसर की आयु-समायोजित दर अधिक है, यानी प्रति एक लाख जनसंख्या पर 20 लोग और देश में सभी कैंसर का 30% से अधिक हिस्सा है।

इलाज के बाद भी पांच साल जी पाना कठिन

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि मुंह का कैंसर एक गंभीर खतरा है, इससे मृत्युदर भी अधिक है। चिंताजनक बात ये भी है कि इलाज के बाद भी 63% लोग पांच साल तक नहीं जी पाते हैं। आईसीएमआर ने 10 राज्यों में 14 हजार से ज्यादा मरीजों पर अध्ययन किया, इसमें पाया गया कि ग्रामीण इलाकों में इस प्रकार के कैंसर के जोखिम सबसे ज्यादा है। जामा नेटवर्क मेडिकल जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन की रिपोर्ट में शोधकताओं ने साफ तौर पर कहा है कि प्रारंभिक पहचान और समय पर इलाज न मिलने के कारण कैंसर का खतरा काफी बढ़ जाता है। ज्यादातर लोगों में कैंसर का पता ही तब चल पाता है जब ये चौथे स्टेज तक पहुंच चुका होता है। यहां से रोगी का इलाज करना और जान बचाना काफी मुश्किल हो जाता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

आईसीएमआर के राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र के प्रमुख डॉ. प्रशांत माथुर बताते हैं कि शहरों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों के मरीज इलाज के बाद भी काफी कम जीवित रह पाते हैं। यह स्थिति कैंसर देखभाल और सेवाओं की गुणवत्ता में असमानताओं का संकेत दे रही है। भारत में कुल कैंसर पीड़ितों में मुंह के कैंसर के 30 फीसदी मरीज शामिल हैं। कम उम्र से ही गुटखा, तंबाकू, सिगरेट की आदत के कारण इस कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है।

मुंह में छालों का रामबाण इलाज, रसोई में मौजूद ये 5 घरेलू चीजें देंगी तुरंत राहत

मुंह में लाल-सफेद छाले किसी के लिए भी परेशानी बन सकते हैं। ये दर्दनाक होते हैं, खाने-पीने में दिक्कत पैदा करते हैं और कई बार बार-बार निकलने लगते हैं। हालांकि ज्यादातर मामलों में छाले अपने आप ठीक हो जाते हैं, लेकिन कुछ घरेलू नुस्खे इसे तेजी से ठीक करने में मदद कर सकते हैं।

छालों के होने के कारण

मुंह में छाले कई कारणों से निकल सकते हैं। इनमें हार्मोनल बदलाव, पेट की खराबी, कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता, दांत या मुंह में चोट, तीखा या एसिडिक खाना, एलर्जी और पोषक तत्वों की कमी शामिल हैं। साथ ही, खराब ओरल हाइजीन रखने वाले लोगों में यह समस्या अधिक देखने को मिलती है।

घरेलू नुस्खों से मिले राहत

विशेषज्ञों के अनुसार, मुंह के छालों को कम करने और दर्द से राहत पाने के लिए घर में मौजूद कुछ चीजें बेहद असरदार साबित होती हैं।

नारियल का तेलः नारियल का तेल छालों पर लगाने से दर्द में राहत मिलती है और छाले जल्दी ठीक होने लगते हैं। इसे प्रभावित हिस्से पर थोड़ी मात्रा में लगाकर कुछ मिनट रहने दें, फिर जरूरत पड़ने पर हल्के पानी से धो सकते हैं। नारियल के तेल के एंटीबैक्टीरियल गुण छालों को जल्दी ठीक करने में मदद करते हैं।

शहदः एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर शहद को सीधे छाले पर लगाने से जल्दी आराम मिलता है। इसे छाले पर कुछ मिनट के लिए लगाया जाए और फिर हल्के पानी से धो दें। शहद न केवल दर्द को कम करता है बल्कि छाले जल्दी ठीक होने में भी मदद करता है। नमक का पानीः हल्के गर्म पानी में नमक मिलाकर कुल्ला करने से मुंह में सूजन कम होती है और बैक्टीरिया भी हट जाते हैं। दिन में 2-3 बार इस पानी से कुल्ला करने की सलाह दी जाती है, जिससे छालों का दर्द और जलन जल्दी कम होती है। हल्दी का पेस्टः हल्दी में मौजूद एंटीमाइक्रोबियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण मुंह के छालों को जल्दी ठीक करने में मदद करते हैं। इसके लिए एक चम्मच हल्दी में थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट तैयार करें और इसे सीधे छाले पर लगाएं। कुछ मिनटों के बाद धो दें। सेब का सिरकाः मुंह के छालों से राहत पाने के लिए सेब का सिरका बहुत मददगार है। इसके लिए एक गिलास पानी में 2 चम्मच सेब का सिरका मिलाकर कुल्ला करें। इसे दिन में 3-4 बार दोहराने से छाले जल्दी ठीक होने लगते हैं और दर्द में राहत मिलती है।

विंग्ड आईलाइनर लगाते समय इन 5 बातों का रखें खास ध्यान, लुक लगेगा बेहतरीन

आंखों को आकर्षक बनाने के लिए महिलाएं कई तरीके की आईलाइनर का इस्तेमाल करती हैं। इनमें से एक है विंग्ड आईलाइनर, जो आंखों को एक खास और ग्लैमरस लुक देता है, लेकिन इसे लगाते समय कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि आपका लुक बेहतरीन लगे। इस लेख में हम आपको विंग्ड आईलाइनर लगाने के लिए पांच महत्वपूर्ण टिप्स देंगे, जिससे आप बिना किसी गलती के इसे सही तरीके से लगा सकें। आंखों की आकृति को समझें विंग्ड आईलाइनर लगाते समय सबसे पहले अपनी आंखों की आकृति को समझना जरूरी है। अगर आपकी आंखें बड़ी हैं तो आपको पतली सी लाइन खींचनी होगी, वहीं छोटी आंखों पर आपको थोड़ा मोटा लाइन खींचना होगा ताकि आपकी आंखें बड़ी और खुली दिखें। इसके अलावा अगर आपकी आंखें ऊपर की तरफ झुकी हुई हैं तो आपको ऊपर की तरफ लाइन खींचनी होगी, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा। सही आईलाइनर का चयन करें विंग्ड आईलाइनर लगाने के लिए सही आईलाइनर का चयन करना बहुत अहम है। पेंसिल, जेल या लिक्विड आईलाइनर में से कौन-सा आपके लिए

बेहतर रहेगा, यह आपके हाथ की स्थिरता पर निर्भर करता है। अगर आपका हाथ आईलाइनर लगाते समय हिलता रहता हैं तो पेंसिल आईलाइनर सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है क्योंकि इसे लगाना आसान होता है। वहीं अगर आप प्रोफेशनल हैं तो लिक्विड आईलाइनर का उपयोग कर सकती हैं, जिससे आपको एक सुंदर लुक मिलेगा। शुरूआत छोटी लाइन से करें विंग्ड आईलाइनर लगाने की शुरूआत हमेशा छोटी लाइन से करनी चाहिए। सबसे पहले अपनी पलकों की जड़ पर छोटी-छोटी बिंदियां बनाएं और फिर उन्हें आपस में जोड़ते हुए बाहर की तरफ लाएं। इससे आपको सही दिशा मिलेगी और आपकी आईलाइनर की लंबाई भी बराबर रहेगी। इसके बाद धीरे-धीरे इसे मोटा करते हुए अपनी इच्छानुसार विंग बनाएं। इस तरह से आप बिना किसी गलती के एक बेहतरीन विंग्ड आईलाइनर पा सकेंगी। दोनों आंखों पर समानता बनाए रखें विंग्ड आईलाइनर लगाते समय दोनों आंखों पर समानता बनाए रखना बहुत जरूरी है। अक्सर देखने में आता है कि किसी एक आंख पर आईलाइनर ज्यादा मोटा होता है जबकि दूसरी पर पतला रह जाता है। इससे आपका लुक बिगड़ सकता है। इसलिए दोनों आंखों पर एक ही तरह से और बराबर मोटाई में आईलाइनर लगाएं। इसके अलावा अगर आप चाहती हैं कि आपका लुक ज्यादा आकर्षक लगे तो आईलाइनर को सूखने दें और फिर आंखों पर मस्कारा लगाएं। अंतिम टच देना न भूलें आईलाइनर लगाने के बाद अंतिम टच देना भी उतना ही अहम होता है जितना कि शुरूआत में ध्यान देना। आईलाइनर सूखने के बाद अगर कहीं कोई कमी रह गई हो या फिर कोई छोटा-मोटा सुधार करना हो तो उसे तुरंत करें ताकि आपका लुक पूरी तरह से बेहतरीन लगे। इस तरह इन पांच आसान लेकिन जरूरी बातों का ध्यान रखकर आप बिना किसी गलती के आसानी से विंग्ड आईलाइनर लगा सकती हैं।

ब्रोकली को इन 5 कारणों से अपनी डाइट में करें शामिल, मिलेंगे कई फायदे

जब बात सब्जियों की आती है तो कई लोग अपनी पसंद के अनुसार ही सब्जियां खरीदते हैं, लेकिन हर सब्जी के अपने पोषक तत्व और फायदे होते हैं। इसी तरह ब्रोकली एक ऐसी सब्जी है, जो कई पोषक तत्वों से भरपूर होती है। यह कई खास यौगिकों से भरी होती है, जो कई स्वास्थ्य लाभ दे सकते हैं। आइए आज हम आपको डाइट में ब्रोकली को शामिल करने के विभिन्न कारण बताते हैं। कैंसर का खतरा कम करने में है सहायक ब्रोकली में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो शरीर को हानिकारक तत्वों से बचाने में मदद कर सकते हैं। ये हानिकारक तत्व कैंसर का कारण बन सकते हैं। कई अध्ययनों के मुताबिक, ब्रोकली का सेवन करने से शरीर में एंटी-ऑक्सीडेंट की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे कैंसर का खतरा कम हो सकता है। इसके अलावा ब्रोकली में एक खास यौगिक होता है, जो कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोक सकता है। हालांकि, यह कैंसर का इलाज नहीं है। आंखों के लिए है फायदेमंद आंखों के लिए ब्रोकली का सेवन बहुत फायदेमंद माना जाता है। ब्रोकली में कुछ ऐसे तत्व होते हैं, जो आंखों की रोशनी को कम होने से बचा सकते हैं। इसके अलावा ये तत्व आंखों की सेहत को भी बनाए रखते हैं। कई अध्ययनों के मुताबिक, ये तत्व मोतियाबिंद और उम्र से संबंधित आंखों की समस्याओं के जोखिम को भी कम कर सकते हैं। इसलिए ब्रोकली को अपनी डाइट में शामिल करना लाभदायक हो सकता है। दिल को स्वस्थ रखने में है सहायक ब्रोकली का सेवन दिल की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। ब्रोकली में एंटी-ऑक्सीडेंट और सूजनरोधी गुण होते हैं, जो खराब कोलेस्ट्रॉल के ऑक्सीडेशन को रोकने में मदद करते हैं। ये गुण खराब कोलेस्ट्रॉल को प्लाक बनने से भी रोक सकते हैं, जिससे धमनियों में रूकावट नहीं होती और दिल स्वस्थ रहता है। इसके साथ ही ब्रोकली में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट शरीर में एंटी-ऑक्सीडेंट की मात्रा को बढ़ाकर दिल को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। रोग प्रतिरोधक क्षमता को दे सकते हैं मजबूती ब्रोकली में कई प्रकार के विटामिन और खनिज होते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद कर सकते हैं, जैसे कि विटामिन-सी, विटामिन-के, विटामिन-ए, विटामिन-बी6, फोलेट, पोटेशियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस। विटामिन-ष्ट एक शक्तिशाली एंटी-ऑक्सीडेंट है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और शरीर को रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है। इसके अलावा ब्रोकली में मौजूद विटामिन-ए और विटामिन-बी6 भी प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद करते हैं। वजन को नियंत्रित करने में है प्रभावी अगर आप अपना वजन नियंत्रित करना चाहते हैं तो ब्रोकली का सेवन जरूर करें। ब्रोकली में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को स्वस्थ रखता है और पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस करवाता है, जिससे आप बार-बार खाने से बच सकते हैं। इसके अलावा ब्रोकली में मौजूद कम कैलोरी भी वजन कम करने में मदद कर सकती है। इसके साथ ही ब्रोकली का नियमित सेवन आपके वजन को संतुलित रखने में मददगार हो सकता है।

बच्चों और बुजुर्गों के संग जा रहे हैं केदारनाथ यात्रा पर तो ऐसे करें प्लानिंग

लंबे इंतजार के बाद अब केदारनाथ मंदिर के कपाट खुलने को तैयार हैं। 2 मई, 2025 को बाबा केदार के द्वार लोगों के लिए सुबह 6:20 बजे खुल जाएंगे। तीर्थयात्रियों को केदारनाथ मंदिर में सुबह 7 बजे से प्रवेश मिलेगा। ऐसे में लोगों ने बाबा के दर्शन को रजिस्ट्रेशन करा लिया है। दरअसल, पर्यटन विभाग ने 20 मार्च से आधार आधारित ऑनलाइन पंजीकरण शुरू किया था, जिसके बाद अभी तक लाखों लोग अपना पंजीकरण करा चुके हैं। यदि आप भी इस बार अपने परिवार के साथ बाबा के दर्शन को जा रहे हैं तो कुछ खास बातों का ध्यान रखकर ही प्लानिंग करें। यहां हम आपको कुछ ऐसी टिप्स देने जा रहे हैं, जिनका ध्यान बाबा केदार के द्वार पर जाने की प्लानिंग करते वक्त रखना जरूरी है।

सही समय का चयन करें

यदि आप अपने बच्चों और घर के बुजुर्गों के साथ बाबा केदार के दर्शन को जा रहे हैं, तो ऐसे समय का चुनाव करें जब वहां ज्यादा भीड़ न हो। यात्रा की शुरआत के दिनों में जाने का प्लान न बनाएं। इन दिनों में सबसे ज्यादा भीड़ होती है। इसके अलावा बारिश के मौसम में भी वहां जाने से बचें। बारिश के मौसम में पहाड़ों पर काफी फिसलन हो जाती है, जिस कारण आपको परेशानी उठानी पड़ सकती है।

हेल्थ चेकअप है जरूरी

यात्रा पर जाने से ठीक पहले अपने साथ-साथ बच्चों और बुजुर्गों का फुल बॉडी चेकअप अवश्य कराएं। बॉडी चेकअप इसलिए भी जरूरी है, ताकि पता लग पाए कि कहीं किसी के शरीर में किसी प्रकार की दिक्कत तो नहीं है। यदि कोई दिक्कत है, तो डॉक्टर की सलाह के बाद ही केदारनाथ यात्रा पर जाएं।

पहले से तय करें ट्रैवल मोड

केदारनाथ बाबा के दर्शन के लिए आपको कई किलोमीटर चढ़ाई करनी पड़ती है, जो बुजुर्गों और बच्चों के लिए करना संभव नहीं है। ऐसे में पहले से ही ये तय कर लें कि खच्चर, पालकी, पिट्ठु या फिर हेलीकॉप्टर में से क्या उनके लिए सही रहेगा। हेलीकॉप्टर की बुकिंग पहने करनी होती है। जबकि अन्य चीजें आपको चढ़ाई की शुरूआत में मिल जाएंगे। इनके दाम फिक्स होते हैं, इसलिए मोलभाव से बचें।

शनिवार के दिन लंच में तैयार करें इंस्टेंट छोले-भटूरे, बनाने का सरल तरीका यहां से जाने

आज शनिवार का दिन है, इसलिए ज्यादातर लोगों का आज अवकाश होगा। बहुत से बच्चों की भी आज छुट्टी होती है। ऐसे में हर किसी की फरमाइश होती है अच्छा खाना खाने की। शाम के समय लोग हल्का भोजन करना पसंद करते हैं, तो वहीं बहुत से लोग परिवार संग घूमने निकल जाते हैं, ऐसे में आप लंच में अपने परिवार के लिए स्वादिष्ट छोले भटूरे बना सकती हैं। वैसे तो इसे बनाने के लिए छोलों को रातभर के लिए भिगोना पड़ता है, लेकिन हम आपको जो रेसिपी बताने जा रहे हैं,

उसको फॉलो करने के बाद छोलों को भिगोने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आप बिना भिगोए भी इंस्टेंट छोले और भटूरे तैयार कर सकते हैं। तो चलिए बिना देर किए आपको इसकी रेसिपी बताते हैं। छोले बनाने का सामान 1 कप उबले हुए सफेद छोले 2 टमाटर 1 प्याज अदरक-लहसुन पेस्ट 1 छोटा चम्मच जीरा 1/2 छोटा चम्मच हल्दी 1 छोटा चम्मच धनिया पाउडर 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर 1 छोटा चम्मच चाट मसाला हरा धनिया चूंकि आपको छोले आज लंच में ही बनाने हैं तो आपके पास इसे रातभर के लिए भिगोने का समय नहीं है। ऐसे में अभी ही इसे खौलते पानी में भिगो दें। दो से तीन घंटे भीगने पर भी ये फूल जाएंगे। छोले जब फूल जाएं तो इन्हें नमक के पानी में डालकर कूकर में उबाल लें। उबलने के बाद इसे साइड में रख दें और अब शुरू करें छोले बनाने की विधि। इसके लिए सबसे पहले तो टमाटर की प्यूरी बना लें। चाहें तो इसे बारीक भी काट सकते हैं। जब प्यूरी बन जाए तो एक कढ़ाई में सबसे पहले थोड़ा सा तेल डालें और उसमें हल्दी, जीरा और अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें। इसके बाद इसमें एकदम बारीक कटा प्याज डालें और उसे सुनहरा होने तक भूनें। जब ये सही से भुन जाए तो इसमें टमाटर की प्यूरी डालें। इसके बाद इसमें सभी बचे मसाले डालें और तब तक भूनें, जब तक कि तेल ऊपर न आ जाए। जब टमाटर से तेल ऊपर आ जाए तो इसमें उबले छोले औक स्वाद के अनुसार नमक डालकर मिक्स करें। मसाले जब छोलों में मिक्स हो जाए तो इसमें पानी डालें और फिर इसे ढककर खौलाएं। जब ये गाढ़ा होने लगे तो गैस बंद कर दें और आखिर में इसमें ऊपर से हरा धनिया डालें।

श्रमजीवी महिला छात्रावासों के निर्माण में तेजी

लखनऊ,। शहरी क्षेत्रों में रोजगार की तलाश में आने वाली कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित और किफायती आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से योगी सरकार ने आठ श्रमजीवी महिला छात्रावासों के निर्माण की प्रक्रिया तेज कर दी है। कुल स्वीकृत धनराशि का 66 प्रतिशत प्रथम किस्त के रूप में जारी किया जा चुका है। इससे निर्माण कार्य को गति मिली है। भारत सरकार की एसएएससीआई योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में परियोजना संचालित की जा रही है, जिसके लिए 382 करोड़ रुपए बका प्रावधान किया गया है। प्रदेश सरकार ने अप्रैल 2025 में सीएंडडीएस को इस परियोजना का कार्यदायी संस्थान नामित किया है। विभागीय स्तर पर भूमि चिन्हांकन की प्रक्रिया पूरी कर संबंधित विभाग को हस्तांतरित कर दी गई है। लखनऊ में तीन, गौतमबुद्धनगर में चार और गाजियाबाद में एक समेत कुल आठ छात्रावासों का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। प्रत्येक छात्रावास की क्षमता 500 महिलाओं की होगी। इस प्रकार कुल 4,000 कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित आवास सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी।

नौ दिन की नौटंकी: दुनिया से थू-थू कराने के बाद पाकिस्तान का यू-टर्न, अपने बुने जाल में किस तरह फंसा था पीसीबी

नई दिल्ली : भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरकार टी20 विश्व कप का मुकाबला होने जा रहा है। तमाम विवाद और गीदभभकी के बाद एक बार फि दोनों टीमें क्रिकेट के मैदान पर आमने-सामने होंगी। इससे पहले जानते हैं कि किस तरह पाकिस्तान ने रंग में भंग डालने की कोशिश की, लेकिन वह इसमें असफल रहा। टी20 विश्व कप 2026 का आयोजन सफलतापूर्वक न हो सके, इसके लिए पहले बांग्लादेश ने भरपूर कोशिश की और उसके बाद पाकिस्तान ने पूरा जोर लगाया। लेकिन दोनों ही अपने मंसूबों में नाकाम रहे। अब जबकि भारत और पाकिस्तान के बीच कोलंबो में रविवार को टी20 विश्व कप का मुकाबला होने जा रहा है तो यह नहीं भूलने चाहिए कि किस तरह पाकिस्तान ने ड्रामा किया और अपने ही बुने जाल में फंसता चला गया। मैच से ज्यादा विवाद की हुई चर्चा भारत और पाकिस्तान के बीच मैच को लेकर हमेशा ही हाइप रहा है, लेकिन इस बार तो मैच की चर्चा प्रतिद्वंद्विता से ज्यादा विवाद की रही। बांग्लादेश मामले पर बीच में कूदते हुए पाकिस्तान ने दुनिया के सामने अपनी थू-थू कराई और नौ दिन की नौटंकी के बाद अपने ही फैसले पर यू-टर्न ले लिया था। भारत और पाकिस्तान की टीमें मैदान पर उतरने के लिए तैयार हैं, लेकिन इससे पहले हम यहां आपको पूरे विवाद के बारे में बता रहे हैं। आइए जानते हैं किस तरह पाकिस्तान ने गीदड़भभकी दी और विश्व कप में खलल डालने की नाकाम कोशिश की... बांग्लादेश से हुई विवाद की शुरूआत बांग्लादेश विवाद की शुरूआत मुस्तफिजुर रहमान से हुई। मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल नीलामी में खरीदे जाने पर विरोध हुआ जिसके बाद बीसीसीआई ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से मुस्तफिजुर को बाहर करने कहा। मुस्तफिजुर को आईपीएल से बाहर करने के बाद बांग्लादेश बुरी तरह बौखला गया और उसने उकसाने वाले बयान देने शुरू कर दिए। बीसीबी ने भारत में सुरक्षा का हवाला देकर टी20 विश्व कप के मैच भारत में नहीं खेलने की मांग की। फिर इस मामले पर जय शाह की अध्यक्षता वाली आईसीसी की एंट्री हुई और क्रिकेट की वैश्विक संस्था ने मामला सुलझाने की कोशिश की। बांग्लादेश अपने हठ पर बरकरार रहा और आखिरकार आईसीसी ने उसे विश्व कप से बाहर कर स्कॉटलैंड को शामिल किया। बांग्लादेश विवाद में बेवजह कूदा पाकिस्तान जब बांग्लादेश ने आईसीसी से अपने मुकाबले भारत से स्थानांतरित कर श्रीलंका में कराने की मांग की थी तब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) इस पूरे मामले में अचानक कूद पड़ा था। उसने आईसीसी को ईमेल लिखकर कहा था कि वह बांग्लादेश की मांग का समर्थन करता है, जिसमें भारत में मैच खेलने पर सुरक्षा और राजनीतिक स्थिति को लेकर चिंता जताई गई है। पीसीबी ने आईसीसी बोर्ड के अन्य सदस्यों को भी ईमेल की कॉपी भेजी। पीसीबी ने साथ ही बांग्लादेश के मैचों की मेजबानी करने की पेशकश भी की थी। आईसीसी के बीसीबी पर फैसले के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने हाय-तौबा मचाना शुरू कर दिया। पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने आईसीसी पर बांग्लादेश मामले में पक्षपात का आरोप लगाया और संकेत दिया कि उनकी टीम भी विश्व कप का बहिष्कार कर सकती है। इसके बाद मोहसिन नकवी की पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात हुई। इस दौरान नकवी ने शरीफ को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। 1 फरवरी को पाकिस्तान की सरकार ने सोशल मीडिया पर टी20 विश्व कप के लिए टीम भेजने का फैसला किया। पाकिस्तान की सरकार ने यह भी फैसला लिया कि भारत के खिलाफ खेले जाने वाले 15 फरवरी के मुकाबले में पाकिस्तान की टीम नहीं खेलेगी। आईसीसी के चाबुक से ढीले पड़ गए पाकिस्तान के तेवर आईसीसी ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लिया और पाकिस्तान को संभावित कार्रवाई की चेतावनी दे दी थी। पाकिस्तान पर भी लगातार दबाव बढ़ रहा था। अगर पाकिस्तान भारत के खिलाफ नहीं खेलता तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने पड़ते और करोड़ों रुपये का जुमार्ना भरना पड़ता। मामले को सुलझाने के लिए आठ फरवरी को आईसीसी के उपाध्यक्ष इमरान ख्वाजा के साथ पीसीबी की बैठक हुई थी। बैठक के बाद यह तय हो गया था कि पाकिस्तान यू-टर्न लेगा और इसके 24 घंटे बाद ही पाकिस्तान सरकार ने मैच खेलने का एलान कर दिया था। इन सबके बीच सवाल यही उठता है कि अगर पाकिस्तान को यू-टर्न ही लेना था तो उसने बहिष्कार का ड्रामा किया ही क्यों?

पांच महीने बाद फिर आमने-सामने होंगे भारत और पाकिस्तान, जानें कितने बजे से होगा मैच

कोलंबो : भारत और पाकिस्तान की टीमें पिछले साल एशिया कप में खेलने के बाद अब एक बार फिर मैदान पर आमने-सामने होगी। आइए जानते हैं दर्शक कब और कहां ये मुकाबला देख सकेंगे... भारत और पाकिस्तान की टीमें पांच महीने बाद एक बार फिर क्रिकेट के मैदान पर आमने-सामने होंगी। यह टी20 विश्व कप का सबसे चर्चित मुकाबला होगा जिसे देखने के लिए दोनों देशों के क्रिकेट प्रशंसक काफी उत्सुक हैं। पाकिस्तान ने मैच के बहिष्कार के अपने फैसले पर यू-टर्न लेकर प्रेमादासा स्टेडियम पर यह मैच खेलने का फैसला लिया। वैसे तो विश्व कप में भारत का पलड़ा पाकिस्तान पर भारी रहा है, लेकिन टी20 में किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। हेड टू हेड रिकॉर्ड टी20 विश्व कप में भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक आठ बार मुकाबले

खेले जा चुके हैं। सात बार टीम इंडिया ने मैच जीता है, जबकि एक बार पाकिस्तान की टीम जीत हासिल करने में सफल रही है। वनडे और टी20 दोनों विश्व कप मिलाकर भारतीय टीम सिर्फ एक बार पाकिस्तान से हारी है। यह मैच 2021 टी20 विश्व कप में खेला गया था, जिसे पाकिस्तान ने 10 विकेट से जीता था। दबदबा बरकरार रखने उतरेगा भारत दोनों टीमों के क्रिकेटरों ने इसे आम मैच बताकर हाइप कम करने की पूरी कोशिश की। लेकिन दोनों टीमों की क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता और खासकर इस मैच की पृष्ठभूमि को देखते हुए यह तो तय है कि अब कोई इसे हारना नहीं चाहेगा। हारने पर अपने प्रशंसकों की आलोचना सहना दोनों में से किसी टीम को मंजूर नहीं होगा और वह भी तब जब विश्व कप के अहम मुकाबले अभी आने बाकी हैं। इस वैश्विक टूर्नामेंट में जब भी इन दोनों टीमों का मुकाबला हुआ है तो पारा काफी चढ़ा रहता है। इस बार में कुछ ऐसा ही नजारा देखने की उम्मीद है। भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच जब मुकाबला होता है तो मैदान पर तापमान बढ़ जाता है। दोनों टीमों के खिलाड़ी भी अपनी भावनाओं पर नियंत्रण नहीं रख पाते हैं।

तीन स्पिनरों के साथ उतरेगा भारत? अभिषेक के अस्वस्थ होने से बढ़ी टीम इंडिया की चिंता

कोलंबो : भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप का महामुकाबला खेला जाना है। दोनों ही टीमें इसके लिए तैयार हैं। कोलंबो में स्पिनरों की मददगार पिच को देखते हुए यह तय माना जा रहा है कि भारतीय एकादश में कुछ बदलाव हो सकते हैं। इस मैच के लिए दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11 क्रिकेट में सियासत के घालमेल के कारण पैदा हुआ गतिरोध अस्थायी तौर पर दूर होने के बाद टी20 विश्व कप के सबसे चर्चित मुकाबले में रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी आमने सामने होंगे तो भारत के मध्यक्रम के सामने पाकिस्तान के स्पिनरों की चुनौती होगी और मैच की पृष्ठभूमि को देखते हुए अब दोनों टीमें किसी तरह की कोताही बरतना नहीं चाहेगी। भारत के लिए सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का अनफिट होना चिंता का विषय है और यह देखना दिलचस्प होगा कि वह पाकिस्तान के खिलाफ मैच में खेल पाते हैं या नहीं। कोलंबो में स्पिनरों को मिलती है मदद भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप का महामुकाबला रविवार को कोलंबो में खेला जाएगा। यह मैच आर प्रेमादासा स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां की पिच आमतौर पर स्पिनरों के मददगार मानी जाती है। भारत के पास मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल मौजूद हैं, लेकिन पाकिस्तान भी इस मामले में कम नहीं है क्योंकि उसकी टीम में अबरार अहमद और उस्मान तारिक हैं जो भारतीय बल्लेबाजों के सामने चुनौती पेश कर

सकते हैं। भारतीय टीम शुरूआती दो मैचों में दो स्पिनरों के साथ उतरी है। भारत के लिए अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती ने स्पिन विभाग का जिम्मा संभाला है। कोलंबो में स्पिनरों की मददगार पिच को देखते हुए इस संभावना को भी खारिज नहीं किया जा सकता कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ तीन स्पिनरों के साथ उतरे। सैमसन को फिर मिलेगा मौका? अगर अभिषेक शर्मा नहीं खेलते हैं संजू सैमसन को दोबारा मौका मिलेगा, इसकी संभावना कम है। भारतीय टीम प्रबंधन चाहेगा कि इस महत्वपूर्ण मुकाबले के लिए अभिषेक चयन के लिए उपलब्ध हों जिससे शीर्ष क्रम पर स्थिरता आ सके। हालांकि, भारतीय थिंक टैंक के दिमाग में यह भी चिंता होगी कि सैमसन को ही उतारा जाए या ईशान किशन के साथ पारी की शुरूआत के लिए वॉशिंगटन सुंदर को मौका दिया जाए जो फिट हो गए हैं। सुंदर प्रेमादासा स्टेडियम की धीमी पिच पर अच्छी ऑफ स्पिन गेंदबाजी भी कर सकते हैं। कुलदीप प्लेइंग-11 में हो सकते हैं शामिल पिच को देखते हुए बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को भी उतारा जा सकता है। ऐसे में रिंकू सिंह या अर्शदीप सिंह को बाहर रहना पड़ सकता है। बाबर आजम के खिलाफ कुलदीप के शानदार रिकॉर्ड और एशिया कप फाइनल में उनके चार विकेट को देखते हुए उन्हें इस मैच में मौका देना अच्छा विकल्प होगा। कुलदीप को अब तक विश्व कप के शुरूआती दो मैचों में एकादश में जगह नहीं मिली है। अगर कुलदीप इस मुकाबले में खेलते हैं तो भारत संभवतः तीन स्पिनरों के साथ खेलने उतरे क्योंकि उसके पास कुलदीप के अलावा वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल के रूप में दो अच्छे स्पिनर भी मौजूद हैं। बल्लेबाजी में करना होगा सुधार विश्व कप से पहले भारत की बल्लेबाजी काफी मजबूत लग रही थी लेकिन टूर्नामेंट के दो मैचों में बल्लेबाजों का प्रदर्शन चिंता का सबब है। अमेरिका के खिलाफ भारत के छह विकेट 77 रन पर गिर गए थे, जबकि नामीबिया के खिलाफ डैथ ओवरों में मेजबान टीम ने चार रन के भीतर पांच विकेट गंवा दिए थे, लेकिन 200 रन से अधिक का स्कोर और 93 रन से जीत के कारण यह कमजोरियां दब गई। दोनों मैचों में सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन और हार्दिक पांड्या ने संकटमोचक की भूमिका निभाई। लेकिन बड़े टूर्नामेंट में एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन जरूरी है। जसप्रीत बुमराह से लेकर वरुण चक्रवर्ती तक भारत के पास मैच विनर हैं और ऑलराउंडर शिवम दुबे की गेंदबाजी भी बेहतर हुई है। पाकिस्तान टीम में फखर की हो सकती है वापसी पाकिस्तान टीम के मैच कोलंबो में हो रहे हैं जिससे उसे हालात और पिच की बेहतर जानकारी है। पिच धीमे गेंदबाजों की मददगार है ।

उस्मान तारिक का गेंदबाजी एक्शन वैध या अवैध? कप्तान का चौंकाने वाला जवाब; ICC के कंधे पर रखी बंदूक!

कोलंबो : भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को टी20 विश्व कप का महामुकाबला कोलंबो में खेला जाएगा। इस मैच से पहले पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने उनके स्पिन गेंदबाज उस्मान तारिक के गेंदबाजी एक्शन पर खुलकर बात की। उन्होंने क्या कहा...आइये जानते हैं... भारत और पाकिस्तान के

बीच 15 फरवरी को कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में होने वाले टी20 विश्व कप मुकाबले से पहले पाकिस्तानी स्पिनर उस्मान तारिक की गेंदबाजी एक्शन को लेकर काफी चर्चा हो रही है। इस पूरे विवाद पर पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने साफ शब्दों में कहा है कि अब इस मुद्दे को खत्म कर देना चाहिए, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पहले ही उन्हें क्लीन चिट दे चुका है। उस्मान के गेंदबाजी एक्शन पर क्या बोले आगा? आगा ने कहा कि आईसीसी ने उस्मान तारिक की गेंदबाजी एक्शन की दो बार जांच की है और दोनों बार उन्हें नियमों के तहत सही पाया गया है। ऐसे में बेवजह विवाद खड़ा करने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि तारिक अपने करियर की शुरूआत से ही अपने एक्शन को लेकर चचाओं के आदी हैं, इसलिए बाहरी शोर से वह प्रभावित नहीं होते। स्पिन को लेकर दोनों टीमों की मजबूत तैयारी पाकिस्तान के पास उस्मान तारिक के अलावा मोहम्मद नवाज, अबरार अहमद और सैम अयूब जैसे स्पिन विकल्प मौजूद हैं। वहीं, भारत की ओर से वरुण चक्रवर्ती, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव जैसी मजबूत स्पिन तिकड़ी है। ऐसे में कोलंबो की पिच पर यह मुकाबला काफी हद तक स्पिन गेंदबाजों की भूमिका पर निर्भर कर सकता है। प्रेमदासा की सतह आमतौर पर मैच के आगे बढ़ने के साथ धीमी होती जाती है, जिससे स्पिनरों को मदद मिलने की उम्मीद रहती है। ऐसे में तारिक का अनोखा एक्शन और उनकी रफ्तार में बदलाव बल्लेबाजों के लिए चुनौती बन सकता है। आखिर क्या है उस्मान तारिक के एक्शन को लेकर विवाद? उस्मान तारिक की कोहनी पूरी तरह सीधी नहीं हो पाती, जिस कारण उनके एक्शन की तुलना कभी श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन से भी की गई। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि असली परेशानी उनके एक्शन से ज्यादा उनकी लय और रन-अप में है। तारिक क्रीज पर पहुंचने से पहले हल्का ठहराव लेते हैं, जिससे बल्लेबाजों की टाइमिंग बिगड़ सकती है। उनकी गेंदों में कैरम बॉल और स्किड करती हुई डिलीवरी भी शामिल है, जो बल्लेबाजों को असमंजस में डाल सकती है। क्या भारत के लिए खतरा बन सकते हैं तारिक? भारत ने टूर्नामेंट में अब तक जीत दर्ज की है, लेकिन स्पिन के खिलाफ उनकी बल्लेबाजी पूरी तरह निश्चिंत नजर नहीं आई।

अब चिन्नास्वामी स्टेडियम में द्रविड़-कुंबले के नाम पर होगा स्टैंड, केएससीए ने लिया फैसला

बंगलूरू : कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ ने बड़ा फैसला लिया है। अब बंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में अनिल कुंबले और राहुल द्रविड़ के नाम पर स्टैंड होगा। इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों ने इस फैसले पर खुशी जताई है। वेंकटेश प्रसाद के नेतृत्व वाले कर्नाटर राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने बंगलूरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भारत के दिग्गज खिलाड़ी अनिल कुंबले और राहुल द्रविड़ के नाम पर स्टैंड रखने का फैसला किया है। कुंबले टेस्ट और वनडे में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, जबकि सचिन तेंदुलकर के बाद टेस्ट में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन द्रविड़ ने बनाए हैं। दोनों ही खिलाड़ी भारत के कप्तान रहे हैं। इसके साथ

ही द्रविड़ और कुंबले टीम के मुख्य कोच भी रह चुके हैं। केएससीए के फैसले से गदगद हुए कुंबले कुंबले ने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह कहना गलत होगा कि हम सभी के योगदान ने कर्नाटक क्रिकेट को वह मुकाम दिलाया है, ठीक उसी तरह जैसे कर्नाटक क्रिकेट ने हम सभी को बनाया है। असल में यह मायने नहीं रखता कि किस स्टैंड पर किसका नाम है। यह वास्तव में खास बात है कि सभी के योगदान को मान्यता दी गई है और अब वे स्टेडियम में हमेशा के लिए अंकित हो गए हैं। शांता रंगास्वामी के नाम पर भी होगा स्टैंड द्रविड़ और कुंबले के अलावा महिला टीम की पूर्व कप्तान शांता रंगास्वामी के नाम पर भी स्टैंड रखने का फैसला किया गया है। कुंबले ने कहा, यह बहुत खुशी की बात है कि मेरे साथी क्रिकेटर राहुल द्रविड़ और शांता रंगास्वामी को भी कर्नाटक और भारतीय क्रिकेट में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया जा रहा है। आप सभी को बधाई। स्टैंड्स का नाम हमारे कई दिग्गजों के नाम पर रखा जाना, जिनमें से कुछ के साथ मुझे खेलने का सौभाग्य मिला और अन्य जिन्होंने केएससीए में हमारे लिए आदर्श स्थापित किए, यह देखना वाकई अद्भुत है। द्रविड़ ने चिन्नास्वामी को बताया दूसरा घर वहीं, द्रविड़ ने कहा, यह (चिन्नास्वामी स्टेडियम) मेरे लिए दूसरा घर जैसा है और जैसा कि कुंबले ने कहा कि यह वो स्थान है जहां हमने अपने घर से भी ज्यादा समय बिताया है। यह ऐसी जगह है जहां हमें कई खुशियां मिली और कुछ मौकों पर निराशा भी हाथ लगी, लेकिन आज मैं जो कुछ भी हूं इसी स्थान के कारण हूं।

भारत के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं पाकिस्तान के ये पांच खिलाड़ी, उस्मान तारिक से रहना होगा सतर्क

कोलंबो: भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच जब मुकाबला होता है तो मैदान पर तापमान बढ़ जाता है। दोनों टीमों के खिलाड़ी भी अपनी भावनाओं पर नियंत्रण नहीं रख पाते हैं। भारत आंकड़ों में काफी मजबूत है, लेकिन उसे पाकिस्तान से सावधान रहने की जरूरत है। भारत और पाकिस्तान की टीमें एक बार फिर टी20 विश्व कप में आमने-सामने होंगी। इस वैश्विक टूर्नामेंट में जब भी इन दोनों टीमों का मुकाबला हुआ है तो पारा काफी चढ़ा रहता है। इस बार में कुछ ऐसा ही नजारा देखने की उम्मीद है। पिछले कुछ समय से दोनों देशों के बीच काफी तनावपूर्ण माहौल रहा है, ऐसे में माना जा रहा है कि इसका असर मैदान पर भी दिख सकता है। भारत और पाकिस्तान के बीच इससे पहले जब एशिया कप में मुकाबले खेले गए थे तो काफी विवाद हुआ था। भारत और पाकिस्तान का मैच हमेशा खास होता है और दुनियाभर के क्रिकेट फैंस की नजर इस मैच पर होती है। इसी वजह से इसे महामुकाबला भी कहा जाता है। दोनों टीमें अपने स्तर पर कागजों में काफी मजबूत हैं, लेकिन आईसीसी टूर्नामेंटों में भारत का पलड़ा प्रतिद्वंद्वी टीम पर हमेशा ही भारी रहा है। भारत के पास कई दमदार खिलाड़ी हैं जो पाकिस्तानी आक्रामण को धवस्त कर सकते हैं, लेकिन पाकिस्तान के पास भी ऐसे खिलाड़ी हैं जो भारत के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। आइए जानते हैं पाकिस्तान के वो कौन से पांच खिलाड़ी हैं जो भारत को कर सकते हैं परेशान... शाहीन अफरीदी नई गेंद से पाकिस्तानी गेंदबाजी की अगुआई करने वाले शाहीन शाह अफरीदी अपने दिन किसी भी टीम के लिए मुसीबत खड़ी कर सकते हैं। शाहीन भारत को पहले परेशानी में डाल चुके हैं और टीम इंडिया के बल्लेबाजों को उनसे बचकर रहने की जरूरत है। भारतीय बल्लेबाजी के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाए थे और अब एक बार फिर भारतीय गेंदबाजों को उन्हें जल्द रोकना होगा। साहिबजादा अच्छे फॉर्म में दिख रहे हैं और अमेरिका के खिलाफ पिछले मैच में उन्होंने अर्धशतक लगाकर बता दिया था कि वह पाकिस्तान के लिए कितने अहम हैं। फरहान को रोकने की जिम्मेदारी विशेष रूप से जसप्रीत बुमराह पर रहेगी। उस्मान तारिक भारत ने अपने अभियान की शुरूआत लगातार दो जीत के साथ की है, लेकिन टूर्नामेंट की शुरूआत में ही स्पिन गेंदबाजों ने भारत के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। अमेरिका के स्पिनरों ने तीन विकेट लिए, जबकि नामीबिया के धीमे गेंदबाजों ने पांच विकेट लेकर भारत की मध्य ओवरों की परेशानी को उजागर किया। यहीं पर तारिक उस्मान पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। उनकी अनोखी लय और विविधता का मेल बल्लेबाज के टाइमिंग को बिगाड़ सकता है और दबाव में उन्हें जल्दबाजी में शॉट खेलने पर मजबूर कर सकता है। तारिक ने अमेरिका के खिलाफ मैच में तीन विकेट झटके थे और अब वह भारत के खिलाफ भी अहम साबित हो सकते हैं। कोलंबो के आर प्रेमादासा स्टेडियम की पिच स्पिनरों के अनुकूल मानी जाती है, ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों को तारिक के खिलाफ संभलकर खेलना होगा। क्रम को शाहीन के खिलाफ संभलकर खेलना होगा, विशेषकर सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को जो शुरूआत से ही आक्रामक अंदाज से खेलते हैं। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन अपनी लहराती गेंदों से भारतीय खिलाड़ियों को परेशान कर सकते हैं। एशिया कप में जब दोनों टीमों का सामना हुआ था तो शाहीन कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए थे, लेकिन उनके पास काफी अनुभव है। ऐसे में शाहीन को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। साहिबजादा फरहान पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने भारत के खिलाफ एशिया कप के मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था। साहिबजादा ने भारत के खिलाफ ऐसे समय मोर्चा संभाला था जब पाकिस्तानी टीम की स्थिति खराब थी और लग रहा था कि वह पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल सकी थी। साहिबजादा ने ही भारत

भारतीय खिलाड़ियों से हाथ मिलाने के लिए तरस रहा पाकिस्तान? सलमान आगा ने खेल भावना पर दिया जोर

कोलंबो : भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप में होने वाले महामुकाबले से पहले पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने एक बार फिर हाथ नहीं मिलाने को लेकर बयान दिया है। सलमान ने खेल भावना की दुहाई दी है। भारत और पाकिस्तान के बीच कोलंबो में रविवार को टी20 विश्व कप का मुकाबला खेला जाना है। पिछले साल एशिया कप के दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाए थे और नो हैंडशेक की नीति बरकरार रखी थी। अब जब एक बार फिर दोनों टीमें आमने-सामने होंगी तो यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय खिलाड़ियों का रुख क्या होता है। हालांकि, पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा भारतीय खिलाड़ियों से हाथ मिलाने के लिए तरस रहे हैं और उन्होंने एक बार फिर खेल भावना पर जोर दिया है। क्यों पाकिस्तान से हाथ नहीं मिला रहे भारतीय खिलाड़ी पिछले साल एशिया

कप में भारत और पाकिस्तान के बीच तीन मुकाबले हुए थे और इन सभी मैचों में भारतीय खिलाड़ियों ने नो हैंडशेक नीति का पालन किया था। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी पाकिस्तान कप्तान सलमान अली आगा से अभिवादन नहीं किया था। भारत ने यह रुख पहलगाम हमले के विरोध में जताया था। पहलगाम में पिछले साल आतंकी हमला हुआ था। भारत ने पहलगाम हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर नाम से सैन्य अभियान चलाया था और पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया था। ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान तिलमिला गया था जिसके बाद दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव बढ़ गया था। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार एशिया कप में ही भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमों के बीच मुकाबला हुआ था जिस दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों को आईना दिखाया था। आगा ने भारत के पाले में डाली गेंद सलमान आगा ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच मैच खेल भावना के तहत खेला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी टीम भारतीय खिलाड़ियों से हाथ मिलाने के लिए तैयार है। भारत के खिलाफ होने वाले मैच से पहले सलमान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, क्रिकेट को खेल भावना के साथ खेला जाना चाहिए। मेरी निजी राय शायद मायने न रखती हो, लेकिन क्रिकेट को उसी तरह खेला जाना चाहिए जैसे वह हमेशा से खेला जाता रहा है। आगे क्या करना है, यह तय करना उन्हीं पर निर्भर है।

यूपी की अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी ढाई गुना से ऊपर

लखनऊ,14 फरवरी 2026 (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश की तेज रफ्तार अर्थव्यवस्था के पीछे महिलाओं की बढ़ती भागीदारी सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी है। सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीते नौ वर्षों में राज्य में महिला श्रम बल भागीदारी दर 13 प्रतिशत से बढ़कर 36 प्रतिशत तक पहुंच गई है। जिससे उत्तर प्रदेश के विकास को नई गति मिल रही है। इसी अवधि में प्रदेश के सकल राज्य घरेलू उत्पाद जीएसडीपी में भी उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी हुई है। वर्ष 2017 में करीब 13 लाख करोड़ रुपये तक सीमित रही जीएसडीपी 2026-27 में बढ़कर 36 लाख करोड़ रुपये की ओर अग्रसर है। महिला श्रम बल भागीदारी दर में हर 1 प्रतिशत की वृद्धि से सकल राज्य घरेलू उत्पाद में 0.5 से 1 प्रतिशत तक अतिरिक्त उछाल आता है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अर्थशास्त्र का यह सिद्धांत व्यवहार में साबित होता दिख रहा है। महिला कार्यबल बढ़ने से उत्पादन क्षमता, श्रम उत्पादकता और राज्य के टैक्स बेस तीनों में समानांतर विस्तार हुआ है।महिलाओं की आय बढ़ने से घरेलू उपभोग में वृद्धि हुई है, जिससे एमएसएमई गतिविधियों और सेवा क्षेत्र को लगातार गति मिल रही है। नीतिगत स्तर पर महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और स्वरोजगार से जुड़े कार्यक्रमों के जरिए उत्तर प्रदेश में आर्थिक भागीदारी का दायरा तेजी से बढ़ रहा है।

लॉस एंजेलिस में कॉफी डेट पर दिखीं लूसी हेल

हाथ में पहनी रिंग बनी चर्चा का कारण

हॉलीवुड एक्ट्रेस लूसी हेल इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्हें लॉस एंजेलिस में विजुअल आर्टिस्ट फिलिप लोपेज के साथ कॉफी डेट पर देखा गया। इस दौरान उनकी उंगली में पहनी एक अंगूठी ने सगाई की अफवाहों को हवा दे दी है। अब उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। 36 वर्षीय एक्ट्रेस बुधवार को लॉस एंजेलिस के एक कैफे में फिलिप लोपेज के साथ नजर आईं। दोनों को कैफे के अंदर काफी करीब बैठकर बातचीत करते देखा गया। हालांकि, यह साफ नहीं है कि दोनों की मुलाकात कब और कैसे शुरू हुई, लेकिन उनकी बॉन्डिंग ने लोगों का ध्यान जरूर खींचा। लूसी हेले ने इस मौके पर कैजुअल लेकिन स्टाइलिश लुक चुना। उन्होंने ढीली डेनिम पैंट के साथ ग्रे हूडी पहनी और उसके ऊपर ब्लू डेनिम जैकेट कैरी की। अपने लुक को पूरा करने के लिए उन्होंने ब्लैक स्नीकर्स पहने और बालों को सिंपल अपडू में बांधा। साथ ही उन्होंने छोटे इयररिंग्स और स्टाइलिश सनग्लासेस भी लगाए थे। सबसे ज्यादा चर्चा उनकी रिंग फिंगर में पहनी सिल्वर बैंड को लेकर हो रही है। इसी अंगूठी को देखकर फैंस कयास लगा रहे हैं कि क्या लूसी ने सगाई कर ली है। हालांकि, एक्ट्रेस की ओर से अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। गौरतलब है कि पिछले साल उनका नाम नेटफ्लिक्स स्टार हैरी जौसी के साथ भी जोड़ा गया था, लेकिन उस रिश्ते को लेकर भी कोई पुष्टि नहीं हुई थी। फिलहाल लूसी हेले और फिलिप लोपेज की यह कॉफी डेट सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है।

सलमान खान स्टारर फिल्म बैटल ऑफ गलवान का दिल छू लेने वाला गाना मैं हूं हुआ रिलीज

मातृभूमि को मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, जिसने सभी प्लेटफॉर्म्स पर 50 मिलियन व्यूज का आंकड़ा पार कर लिया है, अब सलमान खान फिल्म्स ने बैटल ऑफ गलवान से सबसे ज्यादा इंतेजार किया जाने वाला वैलेंटाइन स्पेशल रोमांटिक ट्रैक मैं हूँ पेश किया है। ऐसे में, सलमान खान और चित्रांगदा सिंह पर फिल्माया गया यह पूरा गाना अब रिलीज हो चुका है और यह फिल्म की भावनाओं को खूबसूरती से समेटे हुए है। सोशल मीडिया हैंडल पर गाना शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा- मैं हूं एक रिश्ते के भीतर के प्यार को बखूबी दशार्ता है, जिसमें परिवार के साथ बिताए हँसी-खुशी के पलों से लेकर अकेलेपन और खामोश इंतजार तक का सफर दिखाया गया है। यह गाना एक फौजी के परिवार की जिंदगी के उतार-चढ़ाव को बड़ी कोमलता से पेश करता है-घर पर बिताए खुशनुमा दिनों की गर्माहट और फिर ड्यूटी की पुकार पर होने वाली जुदाई का वो मीठा सा दर्द। यह इमोशनल बदलाव कहानी में इस तरह पिरोया गया है कि गाना दिल को छू लेने वाला और बेहद मार्मिक बन जाता है। विजुअली, यह ट्रैक खुशी और तड़प के बीच एक बैलेंस बनाए रखता है। हम सलमान खान को दिल को छू लेने वाले और सौम्य पलों में देखते हैं मुस्कुराते हुए, जश्न मनाते हुए और अपने परिवार के साथ वक्त बिताते हुए, वहीं दूसरी तरफ कुछ फ्रेम्स इमोशनल दूरी और अकेलेपन को भी बयां करते हैं। चित्रांगदा सिंह ने अपने किरदार में शालीनता और एक खामोश मजबूती दिखाई है। उनकी केमिस्ट्री मैच्योर, नेचुरल और गहराई से सच्ची महसूस होती है। अयान लाल, जो इस फिल्म के म्यूजिक डायरेक्टर और कंपोजर भी हैं, उन्होंने एक ऐसी सुकून देने वाली धुन दी है जो गाना खत्म होने के बाद भी जहन में बनी रहती है। श्रेया घोषाल और अयान लाल की आवाज ने इस ट्रैक की भावनाओं को और भी गहरा बना दिया है। वहीं, अयान लाल और शब्बीर अहमद के लिखे बोल बहुत ही सटीक और दिल को छू लेने वाले हैं, जो एक फौजी के पीछे खड़े उसके परिवार की कुर्बानियों और उनकी खामोश ताकत को बयां करते हैं। बैटल ऑफ गलवान का निर्माण सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले सलमा खान ने किया है, और अपूर्व लाखिया इसके डायरेक्टर हैं। यह फिल्म बहादुरी, बलिदान और जज्बे की एक सच्ची तस्वीर पेश करने का वादा करती है, जिसमें चित्रांगदा सिंह भी एक अहम भूमिका में नजर आएंगी।

फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहरः रामानंद सागर के बेटे का निधन, 84 की उम्र में ली अंतिम सांस

भारतीय टेलीविजन और फिल्म जगत के लिए एक अत्यंत दुखद खबर सामने आई है। महान फिल्ममेकर रामानंद सागर के सुपुत्र और प्रसिद्ध निमार्ता-निर्देशक आनंद रामानंद सागर चोपड़ा का 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। 13 फरवरी 2026 को उन्होंने मुंबई में अंतिम सांस ली। वह पिछले करीब 10-12 वर्षों से पार्किंसंस जैसी गंभीर बीमारी से बहादुरी के साथ संघर्ष कर रहे थे। उनके निधन की सूचना मिलते ही पूरी मनोरंजन इंडस्ट्री और उनके प्रशंसकों के बीच शोक की लहर दौड़ गई है। परिवार ने इस दुखद समाचार की पुष्टि करते हुए बताया कि उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार, 13 फरवरी को ही शाम 4रू30 बजे मुंबई के विले पार्ले स्थित पवन हंस श्मशान घाट पर संपन्न हुआ।

आनंद सागर उस गौरवशाली विरासत के अहम स्तंभ थे, जिसकी नींव उनके पिता डॉ. रामानंद सागर ने रखी थी। 1987 में जब दूरदर्शन पर रामायण का प्रसारण शुरू हुआ था, तब आनंद सागर ने पर्दे के पीछे रहकर इस कालजयी शो की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह सागर आर्ट्स के कार्यों को संभालने वाली दूसरी पीढ़ी के सबसे सक्रिय सदस्यों में से एक थे। अपने पिता के विजन को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने पौराणिक और धार्मिक कहानियों को आधुनिक तकनीक के साथ दर्शकों के सामने पेश किया। विशेष रूप से 2008 में बनी श्रामायणश के नए वर्जन के निर्माण में उनका योगदान अविस्मरणीय रहा, जिसने युवा पीढ़ी को फिर से मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम की गाथा से जोड़ा।

टेलीविजन की दुनिया में आनंद सागर का नाम उन चुनिंदा निमार्ताओं में गिना जाता है जिन्होंने भारतीय संस्कृति और लोककथाओं को घर-घर पहुंचाया। अलिफ लैला, जय जय बजरंगबली और जय शिवशंकर जैसे लोकप्रिय शोज उनके रचनात्मक निर्देशन और प्रोडक्शन सूझबूझ का प्रमाण रहे हैं। उन्होंने न केवल छोटे पर्दे बल्कि बड़े पर्दे पर भी अपनी छाप छोड़ी और आंखें व अरमान जैसी फिल्मों के प्रोडक्शन में अहम हिस्सा लिया। 2005 में पिता रामानंद सागर के निधन के बाद, आनंद सागर ने ही सागर आर्ट्स की बागडोर संभाली और यह सुनिश्चित किया कि परिवार की कलात्मक विरासत निरंतर आगे बढ़ती रहे। साल 2020 में कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान जब पूरा देश घरों में कैद था, तब रामानंद सागर और उनके परिवार द्वारा निर्मित रामायण का पुनः प्रसारण किया गया। इस दौरान शो ने विश्व रिकॉर्ड तोड़ व्यूअरशिप हासिल की, जिसने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि सागर परिवार का काम समय की सीमाओं से परे है। आनंद सागर ने हमेशा इस बात पर गर्व महसूस किया कि उनकी बनाई सामग्री आज भी दर्शकों के दिलों में उतनी ही ताजा है।

डोंट बी शाय से लेकर कुछ कुछ होता है ने आलिया भट्ट को किया प्रभावित

लंदन में हुए प्राइम वीडियो प्रेजेंट्स रू इंटरनेशनल ओरिजिनल्स में, जहां डोंट बी शाय ही एकमात्र भारतीय फिल्म थी, वहीं आलिया भट्ट ने इसकी क्रिएटिव सोच के बारे में बात की और बताया कि कैसे उनके शुरूआती सालों की कहानियां आज भी उनकी क्रिएटिव सोच को प्रभावित करती हैं। उन्होंने बताया कि कैदसे उन्होंने अपने बचपन में आइकॉनिक फिल्में और गाने देखे, खासकर कुछ कुछ होता है जैसा कल्चरल फेनॉमिनन, जो पूरी पीढ़ी के लिए यादगार बन गया। उन्होंने कहा कि यही भावनात्मक सच्चाई और यादगार किरदारों की विरासत उन्हें प्रोड्यूसर के तौर पर काम करने का नजरिया देती है। आलिया ने ये भी कहा कि इसी समझ के कारण डोंट बी शाय को इटर्नल सनशाइन प्रोडक्शंस के तहत प्राइम वीडियो पर रिलीज करना बिल्कुल सही लगा। किरदारों की जर्नी और इमोशनल कनेक्ट के बारे में बात करते हुए, आलिया भट्ट ने कहा मुझे फिल्मों और फिल्म बनाने में सबसे ज्यादा ये चीज पसंद है कि इसमें अलग-अलग किरदार होते हैं जिनसे आप जुड़ सकते हैं और जो अलग-अलग तरीके से आपको मूव करते हैं। और मुझे डोंट बी शाय में यह बहुत पसंद आया कि हर किरदार का अपना खास आर्क है, जो आपस में जुड़ता है और एक नेचुरल, हल्की-फुल्की, मस्ती भरी फिल्मी तरीके से सामने आता है। मैं यह शब्द फिल्मी बिना किसी हिचकिचाहट के इस्तेमाल कर रही हूं, क्योंकि मुझे वो एहसास बहुत अच्छा लगता है। ये सब अपने-अपने नए अंदाज में फिल्मी है, लेकिन जब ये सब फीलिंग्स ॐ के लिए, ल के लिए, के लिए मिलती हैं और आखिर में आप देखते हैं कि सभी अपने सफर पर पहुंचे, तो फिल्म के अंत में मुझे हमेशा ये जानने की इच्छा होती है कि उनकी जिंदगी उसके बाद कैसी चली। अपने खुद के देखने के अनुभव से बात करते हुए, आलिया भट्ट ने कहा मैं हमेशा सोचती हूं राहुल और अंजली के साथ क्या हुआ, वे आखिर कहां पहुंचे और आज कैसे हैं? जब आप किसी किरदार के इतना करीब हो जाते हैं कि वे आपके अपने लोगों जैसे लगते हैं, तो इससे बेहतर एहसास और कुछ नहीं हो सकता। यही हमारा मकसद भी डोंट बी शाय के साथ है आपको ऐसे किरदार देना जिनसे आप जुड़ सकें और जिनके बारे में आप जानने के लिए उत्सुक हों।

युवा दर्शकों पर फिल्मों के लंबे समय तक पड़ने वाले असर के बारे में बात करते हुए, आलिया भट्ट ने कहा ऐसी एक फिल्म होती है जिसके साथ आप बड़े होते हैं और जो आपका रेफरेंस पॉइंट बन जाती है, उसके गाने जिन पर आप आज भी डांस करते हैं, कपड़े जो आपको याद रहते हैं। मुझे याद है जब मैंने कुछ कुछ होता है जैसी फिल्म देखी थी, तो मैंने अपने बाल छोटे करवा लिए। मैं काजोल जैसी बनना चाहती थी। मेरे ऊपर इसका इतना असर हुआ। तो हमें युवा दर्शकों को भी ऐसी ही फिल्म देना जरूरी है।।आलिया भट्ट और शाहीन भट्ट के बैनर इटर्नल सनशाइन प्रोडक्शंस के तहत प्रोड्यूस और ग्रिश्मा शाह व विकेश भुतानी के को-प्रोडक्शन में बनी डोंट बी शाय को स्रीती मुखर्जी ने लिखा और डायरेक्ट किया है। यह आने वाली ओरिजिनल फिल्म प्राइम वीडियो पर भारत में और दुनिया के 240 से ज्यादा देशों और टेरिटरीज में एक्सक्लूसिव रूप से प्रीमियर होने वाली है।

शादी मेरी योजना का हिस्सा, धनुष से अफेयर की खबरों के बीच मृणाल का बड़ा बयान; पार्टनर को लेकर कही ये बात

मृणाल ठाकुर पिछले कुछ वक्त से अपनी शादी की खबरों और धनुष के साथ अफेयर को लेकर चचाओं में हैं। अब एक्ट्रेस ने शादी को लेकर अपनी योजना पर बात की है। मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ अपनी शादी की खबरों को लेकर भी लगातार चचाओं में बनी हुई हैं। पिछले कुछ वक्त से उनका नाम धनुष के साथ जोड़ा जा रहा है। हालांकि, शादी की खबरों पर मृणाल इनकार कर चुकी हैं। जबकि धनुष के साथ रिश्ते पर भी दोनों स्टार्स में से किसी ने भी खुलकर कुछ नहीं कहा है। अब मृणाल का कहना है कि वो शादी की योजना बना चुकी हैं। सही समय और सही जीवनसाथी का इंतजार पीटीआई के साथ बातचीत में मृणाल ने कहा है कि शादी निश्चित रूप से उनकी योजनाओं का हिस्सा है, लेकिन तभी जब समय और जीवनसाथी सही लगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह अपने जीवन में सही साथी के आने का इंतजार कर रही हैं। उनकी यह टिप्पणी अभिनेता धनुष के साथ उनके रोमांटिक संबंधों की अफवाहों को खारिज करने के कुछ ही समय बाद आई है। अपनी निजी जिंदगी के बारे में बात करते हुए मृणाल ने कहा कि वह एक दिन शादी करना चाहती हैं। जब सही दिन और सही जीवनसाथी मिलेगा, तो मैं खुद सोशल मीडिया पर इस खबर की घोषणा करूंगी। शादी को लेकर बदले लोगों के विचार अभिनेत्री का मानना है

14 साल से फरार हत्यारोपी गिरफ्तार, लखनऊ जीआरपी ने अहमदाबाद से दबोचा

लखनऊ,14 फरवरी 2026 (यूएनएस)। लखनऊ जीआरपी ने 14 साल से फरार चल रहे 50 हजार रुपए के इनामिया हत्यारोपी संत कुमार को गुजरात के अहमदाबाद से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी रायबरेली में रेलवे के एक केबिनमैन की हत्या के मामले में दोषी ठहराया जा चुका है और उसे आजीवन कारावास की सजा भी सुनाई जा चुकी है। इसके बावजूद वह नाम बदलकर परिवार के साथ फरार जीवन जी रहा था। यह मामला वर्ष 2012 का है, जब रायबरेली स्थित रेलवे के केबिनमैन की हत्या कर दी गई थी। जांच के दौरान सामने आया था कि मृतक के बेटे ने ही अपने तीन साथियों के साथ मिलकर साजिश रची और वारदात को अंजाम दिया। हत्या के बाद सभी आरोपी फरार हो गए थे। मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने संत कुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई, लेकिन वह गिरफ्तारी से बचता रहा और लंबे समय तक पुलिस को चकमा देता रहा। एसपी जीआरपी रोहित मिश्रा के मुताबिक, संत कुमार गिरफ्तारी से बचने के लिए गुजरात के अहमदाबाद में नाम बदलकर रह रहा था। वह वहां परिवार के साथ सामान्य जीवन जी रहा था, ताकि किसी को उस पर संदेह न हो। पुलिस को इनपुट मिला कि आरोपी गुजरात में छिपा है, जिसके बाद लखनऊ डिवीजन की जीआरपी टीम को सक्रिय किया गया। सूचना के आधार पर जीआरपी की टीम अहमदाबाद पहुंची और स्थानीय पुलिस की मदद से आरोपी को दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे लखनऊ लाया जा रहा है, जहां आगे की विधिक प्रक्रिया पूरी की जाएगी। लंबे समय से फरार चल रहे संत कुमार पर 50 हजार रुप का इनाम घोषित था।

ईरान पर कार्रवाई की मांग: रेजा पहलवी ने दुनिया के नेताओं को दी चेतावनी, कहा- चुप्पी साधने से तानाशाही बढ़ती है

तेहारन : ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी ने विश्व नेताओं से तेहरान सरकार पर दबाव बढ़ाने की अपील की है। उन्होंने म्यूनिख, लॉस एंजेलिस और टोरंटो में वैश्विक प्रदर्शन का आह्वान किया। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी ईरान को परमाणु कार्यक्रम पर चेतावनी दी है। आइए विस्तार से जानते हैं कि रेजा पहलवी ने और क्या-क्या कहा। ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी ने विश्व नेताओं से ईरान सरकार पर दबाव बढ़ाने की अपील की है। जर्मनी के म्यूनिख में सुरक्षा सम्मेलन के दौरान उन्होंने कहा कि अगर लोकतांत्रिक देश चुप बैठे रहे तो ईरान में और जानें जाएंगी। उन्होंने चेतावनी दी कि तेहरान के खिलाफ निष्क्रियता बुलियों और दमनकारी शासन को बढ़ावा देती है। उन्होंने समर्थकों से कई देशों में सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करने का आह्वान किया। रेजा पहलवी ने म्यूनिख में प्रेस वार्ता के दौरान ह्लग्लोबल डे ऑफ एक्शनह्व का ऐलान किया। उन्होंने समर्थकों से म्यूनिख, लॉस एंजेलिस और टोरंटो में प्रदर्शन करने को कहा। उनका कहना है कि इन प्रदर्शनों का मकसद ईरानी जनता के समर्थन में ठोस और तुरंत अंतरराष्ट्रीय कदम उठाने का दबाव बनाना है। उन्होंने पूछा कि क्या दुनिया ईरान की जनता के साथ खड़ी होगी या नहीं। ट्रंप की चेतावनी से बढ़ा दबाव ईरान पर दबाव ऐसे समय बढ़ा है जब अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने तेहरान को उसके परमाणु कार्यक्रम को और सीमित करने की चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ नई परमाणु डील जरूरी है, नहीं तो कड़े नतीजे हो सकते हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि ईरान में शासन परिवर्तन सबसे बेहतर परिणाम हो सकता है। इन बयानों के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहस और तेज हो गई है। म्यूनिख सम्मेलन में भी हुए विरोध प्रदर्शन म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के पहले दिन भी ईरान के खिलाफ प्रदर्शन हुए। ईरानी विपक्षी संगठन पीपुल्स मुजाहिदीन ऑर्गनाइजेशन ऑफ ईरान, जिसे मुजाहिदीन-ए-खल्क भी कहा जाता है, के समर्थकों ने रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों ने हाल के देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों पर ईरान सरकार की सख्त कार्रवाई का विरोध किया। उन्होंने मृतकों के लिए न्याय और राजनीतिक बदलाव की मांग उठाई। मौत के आंकड़ों पर अलग-अलग दावे अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी के अनुसार हालिया विरोध प्रदर्शनों में कम से कम 7,005 लोगों की मौत हुई, जिनमें 214 सरकारी बलों के सदस्य भी शामिल हैं। एजेंसी का कहना है कि उसके आंकड़े जमीनी नेटवर्क से सत्यापित हैं। वहीं ईरान सरकार ने 21 जनवरी को जारी अपने आंकड़े में 3,117 लोगों की मौत की बात कही थी। पहले भी अशांति के मामलों में सरकारी आंकड़ों पर सवाल उठते रहे हैं। निर्वासन के बाद भी सक्रिय पहलवी रेजा पहलवी ईरान के अपदस्थ शाह के बेटे हैं, जिन्होंने 1979 में सत्ता छोड़कर देश छोड़ा था। वह करीब 50 साल से निर्वासन में हैं, लेकिन खुद को ईरान के भविष्य की राजनीति में एक विकल्प के रूप में पेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर लोकतांत्रिक देश सिर्फ देखते रहे तो दमनकारी ताकतों का हौसला बढ़ेगा। उनका दावा है कि ईरान में जनता बदलाव चाहती है और अंतरराष्ट्रीय समर्थन से यह संभव है।

बीएनपी की जीत के बाद तारिक रहमान का बड़ा संदेश, कहा- देश के लोगों को अब मिली असली आजादी और अधिकार

ढाका : बीएनपी को पूर्ण बहुमत मिलने के बाद तारिक रहमान ने जीत को जनता को समर्पित करते हुए कहा कि देश में आजादी और अधिकारों का असली स्वरूप बहाल हुआ है। उन्होंने राष्ट्रीय एकता, जिम्मेदार शासन और मजबूत कानून व्यवस्था पर जोर दिया। रहमान ने सभी दलों को साथ लेकर चलने की बात कही। आइए विस्तार से जानते हैं कि जीत के बाद बीएनपी के अध्यक्ष ने क्या कुछ कहा। बांग्लादेश के 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव में बीएनपी को पूर्ण बहुमत मिलने के बाद पार्टी अध्यक्ष तारिक रहमान ने इसे जनता की जीत बताया है। उन्होंने कहा कि यह जीत लोकतंत्र के लिए बलिदान देने वाले लोगों को समर्पित है। चुनाव नतीजों के बाद ढाका के एक होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में तारिक रहमान ने कहा कि आज से देश में आजादी और अधिकारों का असली स्वरूप फिर से बहाल हुआ है। उन्होंने सभी दलों से राष्ट्रीय एकता बनाए रखने की अपील भी की। तारिक रहमान ने कहा कि यह जीत बीएनपी की नहीं, बल्कि देश की जनता की जीत है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग राजनीतिक विचार हो सकते हैं, लेकिन देशहित में सभी को साथ रहना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि राष्ट्रीय एकता ही सबसे बड़ी ताकत है और बंटवारा सबसे बड़ी कमजोरी। रहमान ने कहा कि लोगों ने तमाम बाधाओं को पार कर लोकतंत्र की राह दोबारा खोल दी है और सीधे वोट

से जवाबदेह संसद और सरकार की वापसी हुई है। कानून व्यवस्था हर हाल में कायम रखने की अपील बीएनपी प्रमुख ने स्पष्ट कहा कि किसी भी कीमत पर कानून व्यवस्था बनाए रखी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी बहाने से किसी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। सुरक्षित और मानवीय बांग्लादेश बनाने के लिए सबके सहयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अब देश के पुनर्निर्माण का समय है और हर पक्ष को जिम्मेदार भूमिका निभानी होगी। उन्होंने समर्थकों से भी संयम बरतने और शांति बनाए रखने की अपील की। अर्थव्यवस्था और संस्थाओं पर भी जताई चिंता तारिक रहमान ने कहा कि नई सरकार ऐसे समय काम शुरू करेगी जब अर्थव्यवस्था कमजोर है, संविधान और संस्थाएं दबाव में हैं और कानून व्यवस्था की स्थिति भी खराब रही है। उन्होंने कहा कि पिछले दौर की शासन व्यवस्था ने ढांचे को नुकसान पहुंचाया है, जिसे अब मिलकर ठीक करना होगा। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को संस्थागत रूप देना सरकार और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है। सभी दलों को किया धन्यवाद रहमान ने बताया कि इस चुनाव में कुल 51 राजनीतिक दलों ने हिस्सा लिया। उन्होंने नतीजे चाहे जो रहे हों, सभी दलों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक दल ही लोकतंत्र की असली रोशनी होते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार और विपक्ष अगर अपनी-अपनी भूमिका जिम्मेदारी से निभाएं तो लोकतंत्र मजबूत होगा। उन्होंने सभी लोकतांत्रिक दलों से राष्ट्र निर्माण में सहयोग देने की अपील की। प्रेस वार्ता में तारिक रहमान ने चुनाव आयोग, प्रशासन और चुनाव ड्यूटी में लगे अधिकारियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि उनके सहयोग के बिना शांतिपूर्ण चुनाव संभव नहीं था।

मोहन का मिडनाइट मैसेज- फिर ताकतवर बने मनीष सिंह और वर्णवाल, 2026 के रोडमैप पर सीएम गंभीर

भोपाल : मध्यप्रदेश सरकार ने देर रात बड़े स्तर पर प्रशासनिक बदलाव किए। 11 IAS अधिकारियों के तबादले और नई जिम्मेदारियों से सरकार ने परफॉर्मेंस और 2026 के रोडमैप पर अपना फोकस दिखाया। मध्यप्रदेश सरकार ने शुक्रवार देररात बड़े स्तर पर प्रशासनिक बदलाव किए। इसमें 11 आईएएस अधिकारियों के तबादले हुए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने परफॉर्मेंस और 2026 के रोडमैप को ध्यान में रखते हुए ये फैसले लिए। बताया जा रहा है कि स्वास्थ्य विभाग में लंबे समय से प्रमुख सचिव संदीप सिंह और मंत्री राजेंद्र शुक्ला के बीच तालमेल ठीक नहीं बैठ रहा था, यही वजह है कि संदीप सिंह को ट्रांसफर किया गया। अब स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल को दी गई है। संदीप सिंह को वन विभाग को प्रमुख सचिव बनाया गया है। वहीं, जनसंपर्क विभाग के कामकाज से भी मुख्यमंत्री नाखुश थे। यहीं वजह है कि वर्तमान जनसंपर्क आयुक्त दीपक सक्सेना को अब आबकारी आयुक्त बनाया गया है। वहीं, मनीष सिंह को फिर से जनसंपर्क आयुक्त नियुक्त किया गया है और उनके पास परिवहन विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी रहेगा। वहीं, आबकारी आयुक्त को लंबे समय से बदलने की अटकलें चल रही थी। अब करीब दो साल तक आबकारी आयुक्त रहे अभिजीत अग्रवाल अब प्रबंध संचालक, राज्य सहकारी विपणन संघ बनाया गया है। वहीं, उनकी जगह दीपक सक्सेना को आबकारी आयुक्त बनाया गया है। वहीं, मध्य प्रदेश सरकार ने 2026 को कृषि वर्ष के रूप में घोषित किया है। इसमें सरकार किसानों की आय बढ़ाने से लेकर उत्पादकता की आमदनी बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। बताया जा रहा है कि कृषि विभाग के डायरेक्टर अजय सिंह के अब तक के कामकाज मुख्यमंत्री की उम्मीदों के अनुसार नहीं रहा। अब उनको हटा कर जबलपुर विद्युत कंपनी में प्रबंध संचालक की जिम्मेदारी दी गई है। ट्रांसफर आदेश के अनुसार 2011 बैच के कअर उमाशंकर भार्गव को राजभवन से किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग का संचालक बनाया गया। जिला स्तर पर कई उएड और मुख्य कार्यपालन अधिकारी बदले गए। इनमें भिंड जिला पंचायत के उएड सुनील दुबे को राज्यपाल का उप सचिव बनाया गया।, संघमित्रा गौतम को आलीराजपुर जिला पंचायत उएड, नंदा भलावे कुशरे को राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान में अपर परियोजना संचालक और कमल सोलंकी को राससेन जिला पंचायत उएड की जिम्मेदारी दी गई है।

अमेरिका में 22 वर्षीय भारतीय छात्र लापता, तलाश तेज; अंजा झील के पास देखा गया आखिरी बार

अमेरिका में एक 22 वर्षीय भारतीय छात्र लापता हो गया है। 10 फरवरी से लापता हुए कर्नाटक के साकेत श्रीनिवासैया की तलाश तेज कर दी गई है। सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय दूतावास ने साकेत को लेकर गहरी चिंता जताई है। अमेरिका की कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में पढ़ रहे एक 22 वर्षीय भारतीय छात्र की लापता होने की खबर सामने आई है। कर्नाटक

के साकेत श्रीनिवासैया कैलिफोर्निया में रहकर पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई कर रहे हैं। जो कि मंगलवार यानी 10 फरवरी से लापता है। ऐसे में छात्र की तलाश तेज कर दी गई है। भारतीय दूतावास ने जताई चिंता साकेत के लापता होने की खबर की पुष्टि करते हुए सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय दूतावास ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की। दूतावास ने एक्स पोस्ट में छात्र को ढूंढने के लिए वह उसके परिवार और स्थानीय अमेरिकी अधिकारियों के संपर्क में होना की बात कही है। पासपोर्ट और लैपटॉप के साथ मिला बैग स्थानीय मीडिया ने पुलिस के हवाले से बताया कि कर्नाटक के रहने वाले और यूसी बर्कले के छात्र साकेत श्रीनिवासैया मंगलवार को लापता हो गए। बर्कले स्कैनर समाचार पोर्टल के अनुसार साकेत का बैग, जिसमें पासपोर्ट और लैपटॉप था पार्क हिल्स इलाके में एक घर के दरवाजे पर मिला। पुलिस के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि श्रीनिवासैया को आखिरी बार ड्वाइट वे के 1700 ब्लॉक में देखा गया था। उनका कद लगभग 6 फीट 1 इंच, वजन लगभग 73 किलोग्राम, छोटे काले बाल और भूरी आंखें बताई गई हैं। पुलिस ने श्रीनिवासैया के बारे में जानकारी रखने वाले किसी भी व्यक्ति से स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सूचित करने का आग्रह किया है। दोस्त ने लगाई मदद की गुहार इधर, श्रीनिवासैया के साथ रहने वाले बनेत सिंह ने अपने दोस्त पता लगाने में मदद मांगने के लिए एक पोस्ट किया। जिसमें उसने बताया कि उसे (साकेत) आखिरी बार बर्कले हिल्स में लेक अंजा के पास देखा गया था। उसने गुहार लगाते हुए कहा कि अगर मेरे किसी परिचित को इस इलाके में ऐसे लोग पता हों, जिन्होंने उसे हाल ही में देखा हो, तो कृपया मुझे कोई भी जानकारी दें। मैं पुलिस के साथ मिलकर उसे ढूंढने की पूरी कोशिश कर रहा हूं। यह हमारे लिए बहुत मुश्किल समय है। कृपया कोई भी ऐसी जानकारी दें, जिससे मदद मिल सके।

'47 साल से सिर्फ बातचीत होती रही, इसे हमेशा के लिए सुलझा देंगे', ईरान को ट्रंप की धमकी

वॉशिंगटन : ईरान और अमेरिका के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। ओमान में परमाणु समझौते पर पहले दौर की बेनतीजा वार्ता के बाद डोनाल्ड ट्रंप काफी गुस्से में नजर आ रहे हैं। ईरान पर दबाव डालने के लिए अमेरिका अपनी सैन्य ताकत भी क्षेत्र में बढ़ा रहा है। इस बीच सख्त लहजे में ट्रंप ने कहा कि वे 47 साल से सिर्फ बातें कर रहे हैं। ईरान और अमेरिका के बीच माहौल और तनावपूर्ण होते जा रहे हैं। परमाणु समझौते पर ओमान की राजधानी मस्कट में दोनों देशों के बीच पहले दौर की वार्ता बेनतीजा रही, जिसके बाद अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर सख्त

बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि 47 वर्षों से ईरान केवल वार्ता को टालता रहा है, जबकि कई लोगों ने अपनी जान गंवाई है। ट्रंप ने मीडिया से बात करते हुए दो टूक कहा कि इसे हमेशा के लिए सुलझा देंगे। अमेरिकी ने क्षेत्र में सैन्य शक्ति बढ़ाई ट्रंप का यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब अमेरिका ने दुनिया का सबसे बड़ा विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर. फोड को पश्चिम एशिया की तरफ मोड़ने का फैसला किया है। उत्तरी कैरोलिना के फोर्ट ब्रैग में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन सबसे अच्छी बात होगी, जो हो सकती है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने बयान में कहा, '47 साल से वे बस बातें करते आ रहे हैं। उनकी बातों के चलते हमने कई जानें गंवा दी हैं। देखते हैं आगे क्या होता है? हम इसका सामना करेंगे। इसे एक बार और हमेशा के लिए सुलझा लें, और यही अच्छा होगा।' इसी के साथ ट्रंप ने आगे कहा कि एक युद्धपोत और वहां पहुंच रहा है, जबकि एक पहले से वहां मौजूद है। 'समझौता नहीं हुआ तो हमें इसकी जरूरत पड़ेगी' अमेरिका राष्ट्रपति ने कहा कि अभी हमारे सामने ऐसी स्थिति है कि हमने ईरान में एक बहुत बड़ा विमानवाहक पोत भेजा है। मैं देखना चाहूंगा कि क्या हम कोई समझौता कर सकते हैं। उनके साथ समझौता करना मुश्किल रहा है।

ईरान के पास अमेरिका का एक और युद्धपोत तैनात, ट्रंप बोले- समझौता नहीं हुआ तो पड़ेगी जरूरत

वॉशिंगटन : अमेरिका ने ईरान के साथ परमाणु मुद्दे पर बढ़ते तनाव के बीच अपनी सैन्य मौजूदगी मजबूत करने का कदम उठाया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने संकेत दिया है कि कूटनीतिक प्रयास जारी हैं, लेकिन असफलता की स्थिति के लिए भी तैयारी की जा रही है। दूसरे विमानवाहक पोत की तैनाती से क्षेत्र में रणनीतिक दबाव बढ़ेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि उन्होंने ईरान के साथ परमाणु कार्यक्रम को लेकर समझौते की कोशिशों के बीच मध्य पूर्व में दूसरा एयरक्राफ्ट कैरियर भेजने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि अगर समझौता नहीं हो पाता है तो इसकी जरूरत पड़ेगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने ये भी कहा कि ईरान में सत्ता परिवर्तन 'सबसे अच्छी बात होगी जो हो सकती है', क्योंकि अमेरिकी प्रशासन तेहरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने ये टिप्पणियां उत्तरी कैरोलिना के फोर्ट ब्रैग में सैनिकों से मुलाकात करने के तुरंत बाद कीं। इससे पहले दिन में उन्होंने इस बात की पुष्टि की थी कि वह ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई के लिए मध्य पूर्व में दूसरा विमानवाहक पोत समूह तैनात कर रहे हैं। गौरतलब है कि अमेरिका दुनिया का

सबसे बड़े विमानवाहक पोत यूएसएस जेराल्ड आर. फोर्ड कैरेबियन सागर से मध्य पूर्व भेज रहा है। यह पहले से क्षेत्र में तैनात यूएसएस अब्राहम लिंकन और उसके साथ मौजूद गाइडेड-मिसाइल विध्वंसकों के साथ जुड़ जाएगा। लिंकन बीते दो सप्ताह से अधिक समय से क्षेत्र में मौजूद है। विमानवाहक युद्धपोत की तैनाती से क्या बढ़ेगा ईरान पर दबाव? ट्रंप ने व्हाइट हाउस से उत्तर कैरोलिना के फोर्ट ब्रैग के लिए रवाना होते समय कहा कि विमानवाहक पोत जल्द ही रवाना होगा। उन्होंने इस सप्ताह ईरान को चेतावनी दी थी कि समझौता न होने की स्थिति 'बहुत दर्दनाक' हो सकती है। अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में ओमान में अप्रत्यक्ष वार्ता हुई थी। इस बीच खाड़ी देशों ने चेतावनी दी है कि किसी भी हमले से क्षेत्रीय संघर्ष भड़क सकता है, खासकर ऐसे समय में जब क्षेत्र पहले से तनाव में है। ईरान में हालिया विरोध प्रदर्शनों के दौरान मारे गए लोगों के लिए 40वें दिन की शोक सभाएं शुरू हो रही हैं, जिससे सरकार पर आंतरिक दबाव भी बढ़ रहा है। हाल ही में अमेरिकी बलों ने एक ईरानी ड्रोन को मार गिराया था, जो लिंकन के करीब पहुंचा था। उसी दिन ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक अमेरिकी ध्वज वाले जहाज को रोकने की कोशिश की थी। मध्य-पूर्व में अमेरिका के दो खतरनाक युद्धपोत तैनात यूएसएस फोर्ड को पिछले साल अक्टूबर में भूमध्य सागर से कैरेबियन भेजा गया था, जहां वह वेनेजुएला से जुड़ी सैन्य कार्रवाई की तैयारी का हिस्सा था। अब इसे दोबारा तैनात किया जा रहा है। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने कहा है कि बलों की तैनाती में बदलाव के बावजूद पश्चिमी गोलार्ध में उनकी परिचालन क्षमता प्रभावित नहीं होगी। इससे पहले ट्रंप ने इस्त्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी लंबी बातचीत की थी। इसके बाद उन्होंने ईरान के साथ वार्ता जारी रखने पर जोर दिया। नेतन्याहू चाहते हैं कि किसी भी समझौते में ईरान अपने बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को सीमित करे। साथ ही हमास और हिजबुल्लाह जैसे समूहों का समर्थन बंद करे।

शांति के लिए कभी तैयार नहीं होगा रूस?: नाटो में अमेरिकी राजदूत के बयान से बढ़ी हलचल, समझिए क्या हैं इसके मायने

बर्लिन : करीब चार साल से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध पर शांति की उम्मीदों के बीच नाटो में अमेरिकी प्रतिनिधि मैथ्यू व्हिटेकर का बड़ा बयान सामने आया है। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में उन्होंने कहा कि यूक्रेन समझौते को तैयार है, लेकिन रूस की मंशा संदिग्ध है। उनके इस बयान ने कूटनीतिक प्रयासों पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। करीब चार साल से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध ने यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था को हिला कर रख दिया है। कई दौर की शांति वाताओं और अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद मोर्चे पर तनाव कम होने के बजाय बढ़ता जा रहा है। अब ऐसे में उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में अमेरिका के प्रतिनिधि मैथ्यू व्हिटेकर का रूस को लेकर सामने आए बयान ने पूरे मामले को एक अलग मोड़ दे दिया है। उनका कहना है कि रूस शायद कभी भी यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए समझौता

करने को तैयार नहीं होगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब इस युद्ध को शुरू हुए लगभग चार साल होने वाले हैं। अमेरिकी राजदूत मैथ्यू व्हिटेकर ने ये बात जर्मनी में आयोजित म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के एक पैनल में कही। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि रूस किसी समझौते के लिए तैयार है। व्हिटेकर ने कहा कि मेरी समझ से यूक्रेन इस समय एक उचित और परिस्थितियों के हिसाब से न्यायसंगत समझौते के लिए तैयार है। लेकिन मुझे इस बात का विश्वास नहीं है कि रूस वास्तव में समझौता करना चाहता है या कभी कर पाएगा। ट्रंप का अलग रुख बता दें कि राजदूत का यह बयान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान से बिल्कुल अलग है। ट्रंप ने उसी दिन कहा कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को तेजी से कदम उठाने होंगे, क्योंकि रूस समझौता करना चाहता है। ट्रंप लगातार इस युद्ध को खत्म करने की बात करते रहे हैं। फरवरी 2022 में रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था, जिसके बाद से दोनों देशों के बीच भीषण संघर्ष जारी है। हालांकि अमेरिका की मध्यस्थता में अब तक हुई बातचीत से कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है।

निखिल गुप्ता को अमेरिका में 24 साल की जेल, आतंकी पन्नू की हत्या की साजिश रचने का आरोप

वॉशिंगटन : भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को आतंकवादी गुरुपतवंत सिंह पन्नूं की हत्या की साजिश रचने के आरोप में अमेरिका में 24 साल जेल की सजा सुनाई गई। एफबीआई ने बताया कि उन्होंने हत्या, हत्या की साजिश और मनी लॉन्ड्रिंग में दोष स्वीकार किया। आतंकी गुरुपतवंत सिंह पन्नूं की हत्या की साजिश रचने के आरोप में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को अमेरिका में 24 साल जेल की सजा सुनाई गई है। निखिल गुप्ता को शुक्रवार को दोषी ठहराया गया था और उसे 24 साल तक की जेल की सजा सुनाई गई है। मामले में एफबीआई ने बताया कि यह मामला दिखाता है कि वे विदेशी नागरिकों द्वारा अमेरिका में नागरिकों को धमकाने या नुकसान पहुंचाने के प्रयासों के खिलाफ लगातार सतर्क हैं। एफबीआई का कहना है कि निखिल गुप्ता ने हत्या के लिए पैसे देने, हत्या की साजिश और मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल होने की पूरी जिम्मेदारी मानी है। उनका दोष संयुक्त राज्य की अदालत में स्वीकार किया गया वहीं एफबीआई के असिस्टेंट डायरेक्टर रोमन रोजहावस्की ने कहा कि अमेरिकी नागरिक को सिर्फ स्वतंत्रता से अपनी राय रखने के कारण निशाना बनाया गया था, लेकिन कानून ने समय रहते इसे रोका।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।